Follow us on :

bharatbhaskar.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

भारत भास्कर

हर खबर का असर

डाक पंजीयन - छ.ग. / रायपुर संभाग / 58 / 2021-2023

● वर्ष : 16 ● अंक-185 ● रायपुर, बुधवार 31 जुलाई 2024 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य-2 रूपये ● रायपुर, नागपुर, भोपाल, लखनऊ एवं दिल्ली से प्रकाशित ● RNI-CHHHIN/2009/29179

सूर्योदय 6.22
सूर्यास्त 5.38
श्रावण कृष्ण
पक्ष- एकादशी

सुविचार

अपनी हार और जीत के लिए आप स्वयं जिम्मेदार होते हैं।

- स्वदेश तिवारी

3 एक पेड़ मा के नाम योजना के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

5 बेलतरा से अमरनाथ यात्रा (बाबा बर्फानी) का दर्शन के लिए पहला जत्था रवाना

7 नशे के विरूद्ध अभियानपूर्वक कार्यवाही करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

संक्षिप्त समाचार

कच्ची दीवार ढही दो बच्चों की मौत, कई घायल

सुलतानपुर। चांदा थानाक्षेत्र में कच्ची दीवार ढहने से दो बच्चों की दबने से मौत हो गयी है। क्षेत्र के बड़ा केवटाना सोनावा गावँ में बीती रात हादसा हुआ है। बताया जाता है कि गांव का क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि ने खबर को दबाने का भरसक प्रयास किया। हताहत होने वाले निषाद समाज के अन्य कई बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। घटना के अगले दिन सुबह करीब 11बजे एक राजपत्रतित अधिकारी ने निरीक्षण किया है। कच्चा मकान गिर जाने से दो बच्चों की मौत के बाद गांव में शोक पसरा है। पीड़ित परिवार लंबे समय से प्रधानमंत्री आवास की मांग कर रहा था।

छोरों से कम नहीं हरियाणा की छोरियां, सात सहेलियां लाईं सातवीं कांवड, खुशी लेकर आई 31 लीटर गंगाजल

मुजफ्फरनगर। खेल के मैदान पर छोरों को पछाड़ने वाली हरियाणा की बेटियां कांवड़ यात्रा में भी पीछे नहीं है। पांच से 51 लीटर तक गंगा जल की कांवड़ उठाकर शिवालयों की ओर बढ़ रही हैं। गंगाजल लेकर शिवालयों की ओर बढ़ रहीं कांवड़ियों का कहना है कि भोले शंकर ने उनकी राह आसान कर दी है। शहर के शिव चौक पर पहुंची हरियाणा के फरीदाबाद निवासी खुशी 31 लीटर गंगाजल लेकर आई हैं। वह कहती हैं कि करीब तीन सौ किमी की यात्रा है। साथ में परिवार के गौरव, राहुल और सोनू भी है। बिना किसी मन्नत के वह बाबा की मर्जी से कांवड़ लाए हैं। गंगाजल लेकर पहुंची भिवानी की संतोष कहती हैं कि पहली बार कांवड़ लाई हैं। पहले उसके भाई यात्रा करते थे, लेकिन इस बार उसका भी मन हरिद्वार पहुंचने का हुआ। भगवान शिव ने उनकी हर मनोकामना पूरी की है। परिवार में सुख शांति है। दृढ इच्छा शक्ति हो तो को भी मुश्किल आपकी राह नहीं रोक सकती। फरीदाबाद की सरिता कहती हैं कि कांवड़ यात्रा संकल्प के साथ शुरू की थी। भगवान शिव ने सारी थकान दूर कर दी है। यात्रा में किसी तरह की मुसीबत सामने नहीं आई है।

पटना बम ब्लास्ट के एनआईए गवाह का परिवार दहशत के साये में जीने को विवश

मीरजापुर। पटना बम ब्लास्ट का गवाह और उनका पूरा परिवार दबंगो के खौफ से सहमा हुआ है। डरे सहमें परिवार के साथ घर छोड़ने को मजबूर हैं। दबंगो का खौफ ऐसा कि मकान बिकाऊ करने का घर पर फैलक्स लगाया है। सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर सुरक्षा की गुहार लगाई गुहार है। आरोप है कि पटना बम ब्लास्ट के दोषी और पड़ोस का ही एक दबंग अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति उन्हें और उनके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। सजा काटकर लौटे आरोपियों के डर से वह घर छोड़ने को मजबूर हैं। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर पूरे परिवार की सुरक्षा की मांग लगाई है हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी एनआईए के गवाह को सुरक्षा नहीं मिल रही है।

वायनाड में भूस्खलन में सैकड़ों फंसे, मलबे से आ रहीं मदद मांगती आवाजें

अब तक 80 लोगों की मौत.... केरल में दो दिनों का शोक....

नई दिल्ली/ एजेंसी

मंगलवार तड़के, केरल के वायनाड जिले में भारी बारिश के कारण भूस्खलन की विनाशकारी श्रृंखला देखी गई। इस आपदा ने कम से कम 80 लोगों की जान ले ली है, जबकि कई लोग अभी भी मलबे में फंसे हुए हैं। गांवों के बह जाने के बाद अधिकारी व्यापक बचाव अभियान चला रहे हैं। सेना की दक्षिणी कमान ने बचाव दल और हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। हालांकि, खराब मौसम के कारण एनडीआरएफ सेना और स्थानीय अधिकारियों के बचाव प्रयासों में बाधा आ रही है। ढ्ढरूष्ठ ने 8 जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी स्थिति का जायजा लेने के लिए बुधवार को वायनाड जाएंगे। राहुल गांधी वायनाड से सांसद हैं। वायनाड में भूस्खलन की घटना में कम से कम 70 लोगों की जान जाने के बाद केरल सरकार ने आज और कल राज्य में आधिकारिक शोक की घोषणा की है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के संबंध में मंगलवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से बात की। स्टालिन ने विजयन को बचाव और राहत प्रयासों में तमिलनाडु के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने केरल की सहायता के लिए तत्काल एक टीम भेजने की घोषणा की। केरल के मुख्य सचिव वी वेणु ने कहा कि वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में बचाव अभियान जारी रहने के कारण 80 से अधिक शव बरामद किए गए हैं। राज्य के राजस्व मंत्री के कार्यालय के अनुसार, लगभग 116 लोग घायल हुए हैं और जिले के विभिन्न अस्पतालों में उनका इलाज चल रहा है। इस बीच, केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन राहत और बचाव कार्यों का नेतृत्व करने के लिए वायनाड जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर, मंत्री ऑपरेशन में राष्ट्रीय आपदा राहत बल के कर्मियों, अर्धसैनिक बलों, केरल सरकार के अधिकारियों और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय करेंगे। मुख्यमंत्री ने तमिलनाडु के अधिकारियों को केरल में राहत गतिविधियों के लिए ?5 करोड़ जारी करने का निर्देश दिया। केरल के स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय ने घोषणा की कि चल रहे राहत प्रयासों का समर्थन करने के लिए वायनाड के चूरलमाला में एक मस्जिद और मदरसे में अस्थायी अस्पताल सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। बीजेपी नेता वी मुरलीधरन ने केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन पर गहरा दुख जताते हुए इसे दुखद घटना बताया। उन्होंने उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। और 100 से अधिक लोगों के लिए चिंता व्यक्त की जिनका अभी भी पता नहीं चल पाया है।कोझिकोड जिले के विलनगाड इलाके से एक और भूस्खलन की सूचना मिली है। एक व्यक्ति लापता है और एनडीआरएफ ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। 15 परिवार अलग-थलग हैं, लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। मलयंगड पुल नष्ट हो गया और नदी किनारे के चार घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

राहत-बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ की टीम तैनात

केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में अग्निशमन और एनडीआरएफ की टीमों को तैनात किया गया है, साथ ही एक अतिरिक्त एनडीआरएफ टीम भेजी गई है केएसडीएमए द्वारा फेसबुक पर पोस्ट किए गए एक पोस्ट के अनुसार, कन्नूर डिफेंस सिक्योरिटी कॉर्प्स की दो टीमों को भी बचाव प्रयासों में सहायता के लिए वायनाड जाने का निर्देश दिया गया है. कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी हादसे पर ट्वीट कर दु:ख जताया है. उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'मैं वायनाड के मेप्पाडी के पास हुए भीषण भूस्खलन से हुई तबाही को देखकर बहुत दुखी हूं. मेरी हार्दिक संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं।

नेपाली कपल बच्चे की भूस्खलन में दबने से मौत

बचाव टीम के अधिकारियों ने बताया कि वायनाड जिले के थोंडरनाड गांव में खेत में काम कर रहे एक नेपाली कपल के एक साल के बच्चे की भूस्खलन के मलबे में दबने से मौत हो गई. वहीं, भारी बारिश और सड़कपर मलबे पसर जाने से बचाव कार्य में परेशानी रही है. आसपास के इलकों में बिजली सप्लाई ठप है. सूत्रों ने बताया कि जिले में टीम के पहुंचते ही राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के कर्मियों को इलाके में तैनात कर दिया गया है और सड़क संपर्क बहाल करने के प्रयास जारी हैं. टीवी चैनलों पर कई लोगों की फोन पर हुई बातचीत सुनाई गई। बातचीत में लोग रो रहे थे और अनुरोध कर रहे थे कि कोई उन्हें आकर बचा ले, क्योंकि वे या तो अपने घरों में फंसे हुए हैं ।

बताया उस दिन क्यों हुई इतनी बड़ी घटना

कोचिंग हादसे में मुख्य सचिव ने सौंपी आतिशी को रिपोर्ट...

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के मुख्य सचिव ने मंगलवार को ओल्ड राजिंदर नगर हादसे में मंत्री आतिशी को जांच रिपोर्ट सौंप दी। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस कोचिंग संस्थान ने ड्रेनेज सिस्टम को पूरी तरह से बंद कर दिया है और इस तरह की घटनाओं से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी नहीं किए हैं। संस्थान की पार्किंग का रास्ता सीधे सड़क से जुड़ा हुआ है और भारी बारिश की स्थिति में पानी स्टॉर्मवॉटर ड्रेन में जाने के बजाय सीधे इस पार्किंग क्षेत्र में प्रवेश करता है। रिपोर्ट में आगे लिखा है, सुरक्षा कर्मचारियों की

ओर से कोई सतर्कता नहीं बरती गई, जिसके परिणामस्वरूप पानी बिना रुके पार्किंग क्षेत्र को पार कर बेसमेंट में घुस गया और इसमें तीन बच्चों की जान चली गई। हालांकि, क्षेत्र की ड्रेनेज प्रणाली के रखरखाव के लिए जिम्मेदार सहायक अभियंता (एम-1)/केबीजेड को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है और जूनियर इंजीनियर (एम-1)/केबीजेड की सेवाएं तत्काल समाप्त कर दी गई हैं। कार्यकारी अभियंता (एम-1) को घटना पर स्पष्टीकरण मांगने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। बता दें कि राजस्व मंत्री आतिशी ने दिल्ली के मुख्य सचिव पर बड़ा आरोप लगाया था। आतिशी ने सवाल उठाते हुए पूछा था कि क्या कोचिंग सेंटर्स बचाने की कोशिश करे हैं चीफसेक्रेटरी? मंत्री के आदेश के बावजूद 24 घंटे में राजेंद्र नगर घटना की रिपोर्ट नहीं सौंपी। आतिशी ने 24 घंटे में जांच रिपोर्ट देने के आदेश दिए थे।

चंडीगढ़-शिमला हाईवे पर लैंडस्लाइड, बोलेरो पर गिरी पहाड़ी;1 की मौत-3 घायल

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे-5 पर बीती रात परवाणू में पहाड़ी से लैंडस्लाइड हो गया। इसकी चपेट में पंजाब नंबर की एक बोलेरो कैंपर आ गई। इसमें सवार देवराज नाम के व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 3 लोग घायल हो गए। घायलों का ईएसआई अस्पताल परवाणू में उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, पीबी 08ष्टक्क-9686 नंबर की बोलेरो कैंपर गाड़ी अखबार लेकर बीती रात चंडीगढ़ से शिमला जा रही थी।

बजट पर चर्चा के जवाब में बोलीं वित्त मंत्री

2047 तक विकसित भारत बनाना सरकार का लक्ष्य...

नई दिल्ली। हमारा लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाना है। इस वित्तीय वर्ष में 48.2 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। वित्त मंत्री ने लोकसभा में बजट की चर्चा का जवाब देते हुए ये बातें कही। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि यह बजट विकसित भारत के लिए है। भौगोलिक विकास के हिसाब से यह बजट तैयार किया गया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विकसित भारत सरकार का विजन है। वित्त मंत्री ने कहा कि इस वित्तीय वर्ष में 48.2 लाख करोड़

रुपये खर्च होने जा रहा है। वित्त मंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य 2047 तक विकसित भारत बनाना है। वित्त मंत्री ने कहा कि हम देश में स्थितरता के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं।

विधानसभा में पास हुआ विधेयक

लवजिहाद,धर्म परिवर्तन कराने पर होगा आजीवन कारावास...

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली योगी आदित्यनाथ सरकार ने उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध (संशोधन) विधेयक, 2024 विधानसभा में पेश किया, जिसमें लव जिहाद मामलों में आजीवन कारावास की कठोर सजा का प्रस्ताव किया गया है। जहां भाजपा ने इस कदम का स्वागत किया, वहीं विपक्ष नाखुश नजर आया और इसे भाजपा द्वारा नकारात्मक राजनीति करने के लिए विभाजनकारी कदम बताया। यह कहते हुए कि उत्तर प्रदेश गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध

अधिनियम, 2021 के तहत मौजूदा प्रावधान अपर्याप्त हैं, योगी सरकार ने मौजूदा विधेयक में संशोधन का प्रस्ताव दिया, जिसमें सजा को अधिकतम दस साल से बढ़ाकर आजीवन कारावास, जमानत देना शामिल है। यूपी सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधनों का भाजपा ने स्वागत करते हुए कहा है कि यह कदम सही दिशा में उठाया गया कदम है। समाचार एजेंसी आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, समाजवादी पार्टी ने इस कदम को विभाजनकारी करार दिया, जिसका उद्देश्य समाज में शत्रुता पैदा करना है। यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार सुबह विधानसभा पहुंचते ही संवाददाताओं से कहा कि प्रस्तावित संशोधनों का स्वागत किया जाना चाहिए। क्योंकि यह ऐसी प्रथाओं के खिलाफ निवारक के रूप में कार्य करेगा।

मध्य प्रदेश में भारी बारिश जारी, बांधों के खोले जा रहे गेट

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून सक्रिय है और बारिश का दौर जारी है। मूसलाधार बारिश के चलते जहां नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है, वहीं, बांधों में पानी बढ़ने के कारण उनके गेट खोलने पड़ रहे हैं। इससे निचली बस्तियों में पानी भरने का खतरा बढ़ गया है। राज्य में बीती रात शुरू हुई बारिश आज दिन में भी जारी है। राजधानी भोपाल समेत प्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार, नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा नौ घंटे के भीतर चार इंच बारिश दर्ज की गई। पचमढ़ी में 3.9 इंच और शाजापुर में 3.4 इंच बारिश हुई है। गुना, सिवनी, छिंदवाड़ा और खरगोन में भी एक इंच या इससे ज्यादा पानी गिरा है।

इंडिया ब्लॉक रैली में पत्नी सुनीता ने लगाए कई बड़े आरोप

अरविंद केजरीवाल की जान खतरे में है रची जा रही साजिश-सुनीता..

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुनीता केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन की रैली में कहा कि भाजपा की राजनीति नफरत और दिल्ली के लोगों का काम रोकने की है, अरविंद केजरीवाल लोगों के लिए लड़ रहे हैं। सुनीता केजरीवाल ने 'इंडिया' गठबंधन की रैली में आरोप लगाया कि भगवान का शुक्र है कि मेरे पति के साथ कोई अनहोनी नहीं हुई। उनकी जान खतरे में है। दिल्ली के मुख्यमंत्री को एनडीए के सांसद के झूठे बयान पर ईडी ने गिरफ्तार कर लिया। जब ट्रायल कोर्ट ने उन्हें जमानत दी तो ईडी अपने वक़ील

के ही भाई की कोर्ट में जाकर जमानत रुकवा दी। फिर ष्टक्क्ष्ठ ने इन्हें गिरफ़्तार कर लिया। सुनीता केजरीवाल ने कहा कि जेल में केजरीवाल जी की शुगर 50 से नीचे चली जाती है जो उनकी ज़िंदगी के लिए ख़तरनाक है और एलजी कहते हैं कि केजरीवाल जी जानबूझकर इन्सुलिन नहीं ले रहे हैं। क्या कोई अपनी ख़ुद की जान ख़तरे में डालता है? ये अरविंद केजरीवाल जी को साज़िशन गिरफ़्तार कर, दिल्ली के काम रोकना चाहते हैं क्योंकि वो इनसे लड़कर दिल्ली के लोगों के कामों को करवा लेते हैं।आप नेता संजय सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी की तानाशाह सरकार ने दिल्ली के लोकप्रिय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंजद्र जैन को जेल डालकर रखा है। नरेंद्र मोदी को मैं कहना चाहूंगा कि अगर आप तानाशाह हैं तो हम आप के सिपाही हैं।

पेरिस ओलंपिक 2024

मनु भाकर ने सरबजोत के साथ भारत को दिलाया दूसरा कांस्य

शेटराउ/ एजेंसी

मनु भाकर स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गई जिन्होंने सरबजोत सिंह के साथ पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय जोड़ी ने कोरिया के ली वोन्हो और ओ ये जिन को 16 . 10 से हराकर देश को इस ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। इससे पहले मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था। मनु को अभी 25 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भी उतरना है और उनके पास तीसरा पदक जीतने का भी मौका है। सरबजोत 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत वर्ग में क्वालीफिकेशन में 577 के स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहे थे और फाइनल में जगह नहीं बना सके थे। मनु और सरबजोत ने क्वालीफिकेशन दौर में 580 स्कोर करके कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई थी। मनु ने जीत के बाद कहा ,'' मैं बहुत ही गर्व महसूस कर रही हूं। सभी को शुभकामनाओं के लिये धन्यवाद।'' उन्होंने कहा ,'' हम विरोधी टीम के प्रदर्शन पर नियंत्रण नहीं कर सकते लेकिन अपना प्रदर्शन तो अपने साथ में है। मैने और मेरे जोड़ीदार ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके अंत तक जुझारूपन नहीं छोड़ा।'' ब्रिटिश मूल के भारतीय खिलाड़ी नॉर्मन प्रिचार्ड ने 1900 ओलंपिक में 200 मीटर फर्राटा और 200 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीते थे लेकिन वह उपलब्धि आजादी से पहले की थी। अंबाला के निशानेबाज सरबजोत पर व्यक्तिगत वर्ग में नाकाम रहने के बाद

अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव था। उन्होंने कहा ,'' मुझे अच्छा लग रहा है। मुकाबला काफी कठिन था और काफी दबाव था।'स तोक्यो ओलंपिक में मनु पिस्टल में खराबी आने के कारण फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन यहां दो पदक जीतकर उन्होंने हर जख्म पर मरहम लगा दिया। भारत की शुरूआत खराब रही जब सरबजोत का पहला शॉट 8 . 6 रहा लेकिन मनु ने 10 . 2 बनाया। कोरियाई जोड़ी ने कुल 20 . 5 स्कोर करके 2 . 0 की बढत बना ली। मिश्रित टीम वर्ग में पहले 16 अंक तक पहुंचने वाली टीम विजयी रहती है। पहला सेट हारने के बाद मनु ने लगातार अच्छा प्रदर्शन करते हुए सिर्फ तीन बार 10 से कम स्कोर किया। इसके बाद से कोरियाई टीम के लिये वापसी करना मुश्किल हो गया था। यह वही कोरिया है जिसके खिलाफ रविवार को मनु रजत जीतने से चूक गई थीं। रविवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कोरिया की दो निशानेबाज ओह ये जिन और येजी किम शीर्ष दो स्थान पर रही थीं और मनु तीसरे स्थान पर रही थीं। दूसरे स्थान के लिए येजी और मनु के बीच शूटआउट था और मनु ने 221.7 का स्कोर बनाया था। तब येजी ने 221.8 का स्कोर बनाकर दूसरा स्थान बरकरार रखा था। यानी मनु .1 अंक से रजत से चूक गई थीं।

मनु ने इतिहास में दर्ज किया नाम

मनु इसके साथ ही ओलंपिक में एक से अधिक पदक लाने वाली भारत की चौथी भारतीय एथलीट बन गई हैं। मनु से पहले नॉर्मन प्रिचर्ड, सुशील कुमार और पीवी सिंधू ऐसी कर चुकी हैं। इंग्लैंड के रहने वाले नॉर्मन प्रिचर्ड ने 1900 में 200 मीटर और 200 मीटर हर्डल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पदक जीते थे। सुशील ने लंदन 2012 में रजत पदक जीतने से पहले बीजिंग 2008 खेलों में कांस्य पदक जीता था। ऐसा करते ही वह स्वतंत्रता के बाद दो अलग-अलग ओलंपिक में एक से अधिक पदक जीतने वाले भारत के पहले व्यक्तिगत एथलीट बन गए थे। बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधू ने 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक जीता। तब वह फाइनल में स्पेन की कैरोलिना मारिन से हार गई थीं।

स्टेनोग्राफर एक अच्छा कॅरियर विकल्प

जिन युवाओं की इच्छा सरकारी नौकरी करने की है। उनके लिए स्टेनोग्राफी एक अच्छा करियर विकल्प हो सकता है। यह 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद स्टेनोग्राफी करियर का एक अच्छा क्षेत्र है। स्टेनोग्राफर के पद का वेतनमान आकर्षक होता है। यह कम खर्चीला भी होता है। स्टेनोग्राफर पर कार्यालय या संस्था के गोपनीय रिकॉर्डों को संभालने का दायित्व रहता है। स्टेनोग्राफर अपने अधिकारी के प्रति विश्वनीय पद है। इस पद पर काम करना एक गरिमापूर्ण व चुनौतीपूर्ण है। अच्छी खासी तनख्वाह ऊपर से सरकारी नौकरी का रौब अलग। यही बातें हैं जो युवाओं को स्टेनोग्राफी की तरफ आकर्षित करती हैं, लेकिन इसमें कड़ी मेहनत की आवश्कता होती है।

स्टेनोग्राफी आशय होता है संक्षिप्त लेखन जिसे अंग्रेजी में शॉर्टहैंड कहा जाता है एक प्रकार की लेखन विधि होती है। हमारे देश में स्टेनोग्राफर के पद अदालतों, शासकीय कार्यालयों, मंत्रालयों, रेलवे विभागों में होते हैं। स्टेनोग्राफर का कोर्स करने के लिए कड़े परिश्रम की आवश्कता होती है, क्योंकि इस भाषा में शब्द गति होना आवश्यक है। एक कुशल स्टेनोग्राफर बनने के लिए उस विषय की भाषा का व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक है। स्टेनोग्राफर बनने के लिए 100 शब्द प्रति मिनट की गति उत्तीर्ण करना आवश्यक होता है। देश में विभिन्न संस्थाएं स्टेनोग्राफर के कोर्स करवाए जाते हैं। देश में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों आईटीआई में भी स्टेनोग्राफर का एक वर्षीय कोर्स करवाया जाता है। इन संस्थानों में 100 शब्द प्रति मिनट की गति से परीक्षाएं भी ली जाती हैं। इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद आप स्टेनोग्राफर बन सकते हैं। सरकारी विभागों द्वारा विज्ञापनों में स्टेनोग्राफर की भर्तियां निकाली जाती हैं।

महत्वपूर्ण पद

हर सरकारी दफ्तर में स्टेनोग्राफर के कई पद होते हैं। स्टेनोग्राफर गरिमापूर्ण पद होता है क्योंकि उसकी नियुक्ति विभागाध्यक्ष के निजी सहायक के रूप में होती है। वह कार्यालय के गोपनीय कार्य सम्भालना, डिक्टेशन कार्य और पीठासीन अधिकारी के प्रति विश्वसनीयता कायम रखने की जिम्मेदारी संभालता है। स्टेनोग्राफर पद का वेतनमान भी आकर्षक है। यह द्वितीय श्रेणी का पद है। कुशल और तीव्र गति की स्टेनोग्राफी के माध्यम से सीधे ही राजपत्रित अधिकारी का पद भी प्राप्त किया जा सकता है जिससे संसद व विधानसभा में संसदीय रिपोर्टर के पद नियुक्ति प्राप्त की जा सकती है। यह बहुत आकर्षक पद होता है।

जरूरी योग्यता

स्टेनोग्राफर पद के लिए उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण होना तथा हिन्दी अथवा अंग्रेजी आशुलिपि में न्यूनतम 80 शब्द प्रति मिनट की गति होना आवश्यक है। इस पद के लिए न्यूनतम 18 वर्ष तथा अधिकतम 27 वर्ष तक की आयु निर्धारित है, कुछ विभागों में अधिकतम आयु 35 वर्ष तक निर्धारित है।

भर्ती

स्टेनोग्राफर पद की भर्ती संसद, विधानसभाओं, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालयों, कर्मचारी चयन आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, रेल्वे भर्ती बोर्ड, अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड तथा अन्य राजकीय उपक्रमों के माध्यम से की जाती है। इनके द्वारा चयनित अभ्यर्थियों का पदस्थापन केंद्रीय सचिवालय, शासन सचिवालय, संसद, विधानसभाओं आदि सरकारी कार्यालयों में राजकीय कर्मचारी के रूप में किया जाता है। पॉलिटेक्निक कॉलेजों में आधुनिक कार्यालय प्रबंधन या मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट एमओएम के रूप में कोर्स करवाए जाते हैं। इसमें आशुलिपि के अलावा कम्प्यूटर, टंकण एवं लेखा से संबंधित कोर्स भी सम्मिलित है। राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान आईटीआई में भी एक वर्षीय कोर्स करवाया जाता है।

अवसरों की भरमार है बैंकिंग क्षेत्र में

देश में बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार देने वाले सेक्टर के रूप में बैंकिंग इंडस्ट्री का महत्वपूर्ण स्थान है। देश के दूरदराज के इलाकों में बैंकों की नई शाखाएं खुलने तथा प्रति वर्ष लगभग 40-50 हजार बैंक कर्मियों के रिटायर होने अथवा स्वैच्छिक सेवा अवकाश लेने के कारण इस क्षेत्र में नियुक्तियां करने की प्रक्रिया निरन्तर चलती रहती है। युवाओं में आज भी बैंकिंग जॉब्स का आकर्षण बना हुआ है। यह इस बात से सिद्ध हो जाता है कि प्रति वर्ष लाखों नहीं बल्कि करोड़ों की संख्या में युवा बैंकिंग चयन परीक्षाओं में शामिल होते हैं। इन्हीं प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से बैंकों में क्लर्क और अधिकारी वर्ग की रिक्तियों को भरा जाता है।

वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य

देश की विशाल आबादी की ही तरह भारतीय बैंकिंग क्षेत्र भी व्यापक है। इसका नेटवर्क देश के लगभग साढ़े पांच लाख गाँवों को अपनी परिधि में किसी न किसी रूप में अवश्य लिए हुए है। इस विस्तृत बैंकिंग ढांचे के अंतर्गत 27 पब्लिक सेक्टर बैंक, 22 प्राइवेट बैंक, 44 विदेशी बैंक, 56 रीजनल रूरल बैंक, 1589 शहरी को-ऑपरेटिव बैंक, 93550 ग्रामीण को-ऑपरेटिव बैंक शामिल हैं।

बैंकिंग क्षेत्र के लिए व्यक्तिगत गुण

ऑफिस जॉब और जीवन में स्थिरता चाहने वाले युवाओं के लिए बैंकिंग सेक्टर एक बेहतर और उपयुक्त करिअर ऑप्शन माना जा सकता है। इस क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए कारूरी है कि युवा में मैथ्स के साथ एकाउंटिंग में रुचि हो। पब्लिक डीलिंग का प्रावधान होने की वजह से धैर्यवान और गुस्से से कोसों दूर रहने जैसे गुण भी काफी उपयोगी कहे जा सकते हैं।

बैंकिंग चयन परीक्षाएं

इंस्टिट्यूट ऑफ़ बैंकिंग पर्सनल सलेक्शन (आई बी पी एस) द्वारा देश भर के बैंकों की रिक्तियों को भरने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। इन परीक्षाओं के लिए आवेदन से लेकर परीक्षा के पैटर्न आदि के बारे में आई बी पी एस की वेबसाईट से अधिकृत जानकारी हासिल की जा सकती है। इस संस्थान द्वारा आयोजित बैंकिंग परीक्षाओं में 2016-17 के दौरान लगभग 1.51 करोड़ प्रत्याशियों ने अखिल भारतीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन कराया था। इस तथ्य से इसकी क्षमता का सहज ही अंदाकाा हो जाता है। स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया और इससे सम्बद्ध बैंकों की रिक्तियों को भरने के लिए एस बी आई द्वारा स्वयं चयन प्रक्रिया का संचालन किया जाता है।

बैंकिंग परीक्षाओं के पैटर्न

क्लर्क और प्रोबेशनरी ऑफिसर के पदों की रिक्तियों को भरने के लिए बुनियादी तौर पर दो तरह के बैंकिंग एग्जाम्स का आयोजन किया जाता है। क्लेरिकल पदों के एग्जाम में इंग्लिश लैंग्वेज, न्यूमेरिकल एबिलिटी, रीजनिग, कम्प्यूटर एप्टीट्यूड, बैंकिंग/फाइनेंस इत्यादि पर आधारित प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रोबेशनरी ऑफिसर की रिक्तियों को भरने के लिए आयोजित परीक्षा में तीन स्तर पर चयन प्रक्रिया का आयोजन किया जाता है। इनमें प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और इंटरव्यू शामिल हैं। दोनों ही पदों के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता ग्रेजुएशन ही है।

जॉब्स के प्रकार

प्रोबेशनरी ऑफिसर (पी ओ) पर बैंक शाखा के प्रबंधन से लेकर अन्य प्रकार के समन्वयन संबंधित कार्यों का जिम्मा होता है और क्लर्क कैडर के कर्मियों द्वारा पब्लिक डीलिंग का काम मुस्तैदी से संभाला जाता है। मात्र तीन -चार वर्षों के बाद ही ये कर्मी भी पी ओ वर्ग की श्रेणी में प्रोन्नति पाकर पहुँच जाते हैं। इसके अतिरिक्त बैंकिंग इंडस्ट्री में विभागीय परीक्षाओं का समय-समय पर आयोजन किया जाता है। इन परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर समय से पूर्व प्रमोशन भी लिया जा सकता है।

बैंकिंग स्पेशियलिस्ट ऑफिसर

बैंकिंग सेक्टर में बहुसंख्यक कर्मी पी ओ और क्लेरिकल वर्ग के ही होते हैं,परन्तु इनके अलावा खास विधाओं में ट्रेंड कर्मियों की भी सभी बैंकों द्वारा नियुक्तियां की जाती हैं। इनमें इन्फोर्मेशन टेक्नोलोजी ऑफिसर(आई टी डिग्रीधारक) , एग्रीकल्चरल फील्ड ऑफिसर(एग्रीकल्चर साइंस में ग्रेजुएट), ह्युमन रिसोर्स ऑफिसर (ह्युमन रिसोर्स में एम बी ए/पर्सोनल मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा), लॉ ऑफिसर(एल एल बी डिग्रीधारक), मार्केटिंग ऑफिसर (मार्केटिंग की विधा में ट्रेंड), राजभाषा अधिकारी आदि का खास तौर पर उल्लेख किया जा सकता है। इनके पदनामों से ही इनके कार्यकलापों के महत्त्व को समझा जा सकता है।

सैलरी

बैंकिंग इंडस्ट्री की सैलरी और इनके भत्तों को एक समय में काफी आकर्षक माना जाता था लेकिन वेतनमानों में मुद्रास्फीति की बढ़ती दरों के अनुसार संशोधन नहीं होने के कारण अब इनका आकर्षण कुछ कम हुआ है। बैंक कर्मी लगातार इस दिशा में संघर्षरत हैं और उम्मीद की जाती है कि निकट भविष्य में बैंकिंग इंडस्ट्री के वेतनमानों को बेहतर बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाये जा सकते हैं। इसके बावजूद करिअर निर्माण और स्थाई जॉब की दृष्टि से यह क्षेत्र अभी भी युवाओं की प्राथमिकताओं में काफी ऊपर है।

स्टार्टअप नहीं बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं युवा

मौजूदा आर्थिक अनिश्चितताओं और भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम के सामने आने वाली हालिया चुनौतियों के साथ, नौकरी चाहने वाले अब स्टार्टअप्स के बजाय बड़ी कंपनियों को तरजीह दे रहे हैं.

नौकरी और पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म के एक सर्वेक्षण के मुताबिक 73 प्रतिशत नौकरी चाहने वाले संगठन के साथ काम करने और करियर में आगे बढ़ने के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों को पसंद करते हैं. मंगलवार को जारी नई रिपोर्ट में यह बात सामने आई है. इस रिपोर्ट के मुताबिक केवल 27 प्रतिशत कर्मचारी अभी भी करियर के विकास के लिए स्टार्टअप पर स्विच करने पर विचार करेंगे. अपना डॉट को के संस्थापक और सीईओ निरमित पारिख ने कहा, नौकरी चाहने वालों की बदलती प्राथमिकताओं के साथ भारत का नौकरी बाजार तेजी से विकसित हो रहा है. ऐसे में नौकरी चाहने वाले अब बेहतर करियर की संभावनाओं के लिए स्थिर और स्थापित कंपनियों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं.

10 हजार नौकरी चाहने वालों से पूछे गए सवाल

रिपोर्ट तैयार करने के लिए में 10,000 से अधिक नौकरी चाहने वालों और 1,000 मानव संसाधन भर्तीकर्ताओं के बयानों को शामिल किया गया है.

इसके मुताबिक नियोक्ता एक कौशल-प्रथम दृष्टिकोण को प्राथमिकता दे रहे हैं. रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि नौकरी चाहने वाले नौकरी की तलाश करते समय, स्थान, आने जाने और वर्क लाइफ बैलेंस और कंपनी की संस्कृति के साथ-साथ वेतन के साथ-साथ करियर के विकास के अवसरों को प्राथमिकता देते हैं. लगभग 73 प्रतिशत भारतीय अपनी नौकरी की खोज में करियर के विकास को प्राथमिक कारक मानते हैं. यहां तक कि वर्क लाइफ बैलेंस और लचीले काम के घंटों के महत्व को भी पार कर जाते हैं. 10 में से लगभग 9 नियोक्ताओं ने कुशल पेशेवरों के महत्व को भर्ती के लिए एक प्रमुख मानदंड के रूप में पहचाना है, हालांकि 10 में से केवल 6 नियोक्ताओं ने अपने संगठनों में अपस्किलिंग कार्यक्रमों को लागू किया है. इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया है कि नियोक्ता अब तकनीकी कौशल वाले उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं, खासकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस और डिजिटल मार्केटिंग के क्षेत्र में भूमिकाओं के लिए. लगभग 65 प्रतिशत पेशेवर नौकरी के साक्षात्कार में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल को एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिग्री के रूप में महत्वपूर्ण मानते हैं.

स्टार्टअप्स में नौकरी जाने का डर

रिपोर्ट के मुताबिक महिलाएं प्रासंगिक कौशल पर अधिक जोर देती हैं, 77 प्रतिशत महिला उत्तरदाताओं ने 51 प्रतिशत पुरुषों की तुलना में इसके महत्व का संकेत दिया है. नौकरी के लिए बड़ी कंपनियों को चुनना इस बात की ओर भी इशारा करता है कि लोग छंटनी से बचना चाहते हैं क्योंकि हाल के दिनों में स्टार्टअप्स में छंटनी तेजी से बढ़ी है. स्टार्टअप कवरेज पोर्टलने पिछले महीने एक रिपोर्ट जारी की थी. उसके मुताबिक देश में अब तक 84 स्टार्टअप द्वारा 24,256 कर्मचारियों की छंटनी की जा चुकी है. कर्मचारियों को बर्खास्त करने वाले स्टार्टअप्स की सूची देश में बढ़ती ही जा रही है.

कब लें कॅरियर काउंसलर की सलाह

अक्सर हम करियर काउंसलिंग का समय पहचानने में देरी कर देते हैं। जब बच्चे आगे की राह चुनने की दहलीज पर होते हैं। इसे आप हाई स्कूल (सेकेंडरी) ही मानिए, क्योंकि इसके बाद ही स्टूडेंट्स के लिए स्ट्रीम चेंज करने का समय होता है और यही वह समय है, जब उन्हें प्रॉपर गाइडेंस की जरूरत होती है। पैरेंट्स को इसी फेज में बच्चों को करियर संबंधी गाइडेंस प्रोवाइड करवानी चाहिए। इससे उसे सही सब्जेक्ट चुनने में मदद मिलती है, बल्कि वह यह भी जान पाता है कि किन विषयों में वाकई उसका रूझान है। प्रोफेशनल काउंसलर मनोवैज्ञानिक तरीके से छात्र से बातचीत करते हैं और मनोवैज्ञानिक या साइकोमेट्रिक टेस्ट के आधार पर स्टूडेंट के टैलेंट को समझते हैं। अक्सर हम करियर काउंसलिंग का समय पहचानने में देरी कर देते हैं।

दरअसल, करियर काउंसलिंग का सही समय वह है, अगर 11वीं में सही सब्जेक्ट का चुनाव न किया, तो पूरा करियर ही यू-टर्न ले सकता है। पैरेंट्स को बच्चे की पढ़ाई पर ध्यान तो देना ही चाहिए, जरूरत उन्हें यह समझने की भी है कि बच्चे की रुचि किन सब्जेक्ट्स में है और वह उनमें कैसा कर रहा है!

यह भी देखना चाहिए कि किन विषयों को पढ़ने में बच्चे का मन नहीं लगता। इसके बाद अभिभावक करियर के चुनाव में बच्चे की मदद कर सकते हैं। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में पैरेंट्स बच्चों के लिए कितना वक्त निकाल पाते हैं, यह सबको मालूम है। बच्चे का रिजल्ट भले पैरेंट्स को पता हो, लेकिन वे अक्सर उसकी पसंद को समझने में चूक जाते हैं। सिर्फ किसी सब्जेक्ट में अच्छे नंबर लाना उस सब्जेक्ट में बच्चे के आगे बेहतर करने की गारंटी नहीं है।पैरेंट्स के लिए इस बात को समझना जरूरी है। इंजीनियरिंग-मेडिकल जैसे क्षेत्रों के प्रति क्रेज का ही यह नतीजा है कि मन मुताबिक पढ़ाई न कर पाने की वजह से बच्चे तनाव में घिर रहे हैं। यहीं पर बच्चों यानी स्टूडेंट्स को काउंसलिंग की जरूरत होती है, ताकि उनके पैरेंट्स उनकी प्रतिभा को पहचान सकें और उसे अपनी पसंद के रास्ते पर बढ़ने की इजाजत दे सकें। यह कतई जरूरी नहीं है कि साइंस में 90 या 100 फीसदी अंक लाने वाला छात्र साइंस स्ट्रीम ही पसंद करे। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। हो सकता है उसकी रुचि गणित में न हो, क्योंकि 10वीं के बाद पढ़ाई का लेवल अचानक हाई हो जाता है और अगर स्टूडेंट की रुचि उसमें न हो, तो उसका प्रदर्शन प्रभावित होने लगता है। काउंसलिंग में इन्हीं बातों को पैरेंट्स को समझाने की कोशिश की जाती है। नए क्षेत्रों की जानकारी काउंसलिंग का एक सबसे बड़ा फायदा यह भी है कि काउंसलर आपको वैसे सब्जेक्ट या उभरते क्षेत्रों के बारे में भी बताते हैं, जिनसे आप अनजान होते हैं। काउंसलर आपको मार्केट ट्रेंड (देश-विदेश) के बारे में बताते हैं और इन सबसे ऊपर आपको अच्छा इंस्टीट्यूट चुनने में मदद करते हैं। सब्जेक्ट पसंद का होने से आप अपनी पसंद की राह पर बढ़ तो सकते हैं, लेकिन इस गलाकाट प्रतियोगिता के जमाने में अच्छे इंस्टीट्यूट का चुनाव करके ही आप दूसरों पर बढ़त ले सकते हैं। आज मैनेजमेंट में कई नए सब्जेक्ट आ गए हैं। इसी तरह लॉ का क्षेत्र बढ़ गया है। फैशन टेक्नोलॉजी का बुखार और खुमार तो है ही, खेल के क्षेत्र में हो रहे सुधार और कमाई से इस क्षेत्र में क्रिकेट के अलावा नए ऑप्शन पर भी उभरे हैं। एक काउंसलर की सलाह यहीं कारगर होती है।

कृषि विभाग के अधिकारी नहीं है गंभीर अभी तक कहीं भी नहीं हुआ है सर्वे

मक्के की फसल में फॉल आर्मीवर्म की दस्तक, क्षेत्र के सैकड़ों किसान चिंतित

अखिलेश जायसवाल/ भारत भास्कर । महंगई/अंबिकापुर-प्रेम नगर क्षेत्र में महंगई, नवापारा खुर्द, दुर्गापुर, कालीपुर, लखनपुर के निम्हा, पोतका, खुटिया, लैंगा, मुटकी, सहित उदयपुर विकासखंड के शंकरपुर, नमना, खम्हरिया, ललाती ,खरसुरा, कलचा, भदवाही,घुंचापुर,नुनेरा, रिखी,सहित सैकड़ों ग्राम में मक्के की खेती बहुतायत मात्रा किया जाता है। मक्के की फसल में हाल में ही फॉल आर्मी वर्म नामक कीट का प्रकोप बढ़ने से किसान चिंतित हैं ।किसानों का कहना है कि प्रत्येक वर्ष यह किट मक्के में लग जाता है जिसके कारण मक्का पूरी तरह नष्ट हो जाता है। जिससे हम किसानों को भारी मात्रा में नुकसान सहना पड़ता है इस वर्ष भी मक्के की फसल में फाल आर्मी वर्मा नामक कीट पूरी तरह मक्के में लग रहा है ।जिसे लेकर किसान भारी चिंतित है। वही इस किट को लेकर कई किसान मक्के की

फसल बचाने हेतु विकल्प ढूंढने में लगे हुए हैं दुकानों में कुछ दवाइयां उपलब्ध है लेकिन यह मक्के की फसल के लिए अतिरिक्त नुकसान किसानों के लिए होगा जिसको लेकर कृषि विभाग द्वारा अभी तक इस कीट का कोई भी दवा का वितरण नहीं किया गया है। इस किट को लेकर कोई सर्वे भी नही किया गया है। किसान पूरी तरह हताश हैं। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी उन्हें फॉल आर्मी वर्म जैसे किट रोग से निपटना होगा जिससे उन्हें आर्थिक क्षति होगी। विदित हो कि इस वर्ष सहकारी समितियों में खाद का वितरण नहीं के बराबर किया गया है जिसके कारण किसान पहले से ही बहुत परेशान हैं किसी तरह बाजार से खरीद कर मक्के की खेती किए हैं जिसमें फॉल आर्मीवर्म जैसे कीट लग जाने से किसानों का फसल नष्ट हो रहा है। कृषि विभाग द्वारा इसे गंभीरता से लेकर ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को प्रत्येक ग्राम में मक्का खेती में लगे कीट का सर्वे कर किसानों को सही सलाह दिए जाने की आवश्यकता है।

क्षेत्र के वरिष्ठ किसान व जनपद उपाध्यक्ष प्रेम नगर तुलसी यादव ने बताया कि हजारों की संख्या में किसान मक्के की खेती किए हैं मक्के की खेती से किसानों की अच्छी आय का साधन भी है मक्का का फसल लगाते ही फाल वर्मी आर्म की दस्तक हुई है इस रोग के लगते ही मक्का पूरी तरह से नष्ट हो रहा है कृषि विभाग के द्वारा किसी तरह की कोई मदद नहीं मिली है लिहाजा किसान काफी चिंतित हैं और तरह-तरह की दवाइयों का उपयोग कर रहे हैं लेकिन इस रोग से मुक्ति नहीं मिल सकी है जिला प्रशासन को इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

महंगई के वरिष्ठ किसान जगर नाथ सिंह ने कहा कि कुछ वर्षों से मक्के की फसल में यह किट लग रहा है जिसके कारण किसानों को क्षति होती है इसका सही समय में दवा का छिड़काव किसानों को करना चाहिए जिससे उनकी फसल अच्छी हो और किसानों को अच्छी आमदनी हो सके।

इस संबंध में प्रभारी वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी प्रेमनगर सोहन भगत ने बताया कि शासन से अभी तक फाल आर्मी वर्म हेतु किसी तरह का कोई कीटनाशक दवा नहीं भेजा गया है कई किसान मक्के के इस रोग हेतु संपर्क कर रहे हैं उन्हें जाकर सही दवा का उपयोग करने हेतु ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को निर्देशित किया जाएगा।

संकुल समन्वयक को हटाए जाने, सरपंच सहित ग्रामीण हुए लामबंद

तीन दिवस के अंदर हटाए जाने हेतु जनदर्शन में किए शिकायत

संकुल समन्वयक के ऊपर कारवाई नहीं होने पर स्कूलों में ताला जड़ कर किया जाएगा प्रदर्शन

अखिलेश जायसवाल/ भारत भास्कर अंबिकापुर / जिले के लखनपुर विकासखंड के गुमगराकला गुमगरा खुर्द संकुल क्षेत्र के कटकोना परसोडी कला, गुमगराकला, गुमगराखुर्द के सरपंच एवं ग्रामीणों के द्वारा विगत कुछ दिन पूर्व कलेक्टर सरगुजा के जनदर्शन में शिकायत करके स्वीपर भर्ती एवं उनके मनमाने रवैया को लेकर के शिकायत प्रस्तुत किया गया था शिकायत प्रस्तुत किए जाने एवं समाचार पत्रों में प्रशासन किए जाने के पश्चात विकासखंड शिक्षा अधिकारी के द्वारा विभिन्न स्कूलों में हरी सब्जी के कार्य के लिए जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार प्रत्येक स्कूल में निरीक्षण करने विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रदीप राय के द्वारा निरीक्षण किया जा रहा था इस दौरान ग्रामीणों के द्वारा कटकोना मिडिल स्कूल में निरीक्षण करने आए विकासखंड शिक्षा अधिकारी की जानकारी होने का पश्चात् ग्रामीणों ने उक्त शिक्षक के शिकायत लेकर के विकासखंड शिक्षा अधिकारी के समक्ष आए तो संकूल समन्वयक के द्वारा कुछ विशेष पार्टी का नाम लेकर के सरपंचों को धमकाते हुए कहा गया कि आप लोगों का वित्त आयोग मद की कागज निकालकर जांच कराऊंगा जिसका वीडियो वायरल होने के पश्चात आज पुन: क्षेत्र के सभी सरपंच गण जनदर्शन में कलेक्टर के पास मुलाकात कर उक्त समस्या के बारे में अवगत कराने के साथ ही उक्त संकुल समन्वयक एवं शिक्षक को तत्काल 3 दिवस के अंदर हटाए जाने की मांग की वही ग्रामीणों ने कहा कि यदि तीन दिवस के अंदर नहीं हटाया जाता है तो हम 5 तारीख को प्रभावित स्कूलों में ताला जड़कर के प्रदर्शन की बात कही है,

बदहाली से जूझ रहा पूह पुटरा ग्राम का सड़क

सड़क में तलाब जैसा गड्ढा में लबालब भर जाता है पानी

अखिलेश जायसवाल/ भारत भास्कर अंबिकापुर / - जिले के विकासखंड लखनपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत पूह पुटरा लहपटरा मुख्य मार्ग सड़क बरसात के इस मौसम में सड़क में बड़ा सा गड्ढा हो गया है जिसमें बरसात के कारण पानी से लबालब सड़क तालाब में में तब्दील हो गया है ।सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से ग्रामीण जन कर रहे हैं। लेकिन जिला प्रशासन द्वारा अभी तक किसी प्रकार की सड़क की कोई स्वीकृति नहीं मिल सकी है न ही सड़क की मरम्मत कार्य की गई है। लिहाजा आने जाने वाले यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है गड्ढा युक्त सड़क की बदहाली को देखते हुए ग्रामीणों ने तत्काल सड़क के मरम्मत कराए जाने की मांग की है ।सड़क मरम्मत नहीं किए जाने की स्थिति में ग्रामीणों ने आंदोलन

की चेतावनी दी है।

बताया जा रहा है कि इन दिनों बरसात के कारण सड़क की दुर्दशा ऐसी हो गई है कि वाहनो का चलना भी मुश्किल हो गया है। स्थिति यह है आने जाने वाले यात्री कई बार सड़क के इस भरी गड्ढे में गिर पड़ते हैं और वाहन सहित लोगों को भी चोटिल होना पड़ता है। ग्रामीणों ने इस संबंध में बताया कि ग्रामसभा के माध्यम से कई बार सड़क से हो रहे परेशानी को लेकर सड़क के मरम्मत व स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है बावजूद इसके अभी तक किसी प्रकार का कोई स्वीकृति नहीं मिल सका है

यात्रियों हेतु यह के लिए यह बड़ी समस्या है इस पर तत्काल पहल किए जाने की मांग की गई है। जिला प्रशासन द्वारा सड़क की मरम्मत नहीं कराई जाने की स्थिति में ग्रामीणों ने जन आंदोलन की चेतावनी दी है।

जन समस्या निवारण शिविर में जनमन पत्रिका का किया गया वितरण

ग्रामीणों को मिल रही शासकीय योजनाओं की संपूर्ण जानकारी

राजीव वर्मा/ एमसीबी-भारत भास्कर--राज्य शासन द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, महत्वपूर्ण निर्णय एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने और उन्हें योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करने हेतु मासिक पत्रिका छत्तीसगढ़ जनमन का प्रकाशन जनसंपर्क विभाग द्वारा किया जाता है। उक्त पत्रिका का वितरण आज एमसीबी जिले के विकासखण्ड भरतपुर के ग्राम अक्तवार में जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर स्थल पर आम जनों को जन समस्या निवारण कार्यक्रम के दौरान जनमन पत्रिका का वितरण किया गया।

जनमन के माध्यम से शासन की सभी योजनाओं की जानकारी के साथ शासन कि उपलब्धियों की जानकारी भी मिलती हैं। इसी प्रकार शिविर के आयोजन में आये जिला पंचायत सदस्य श्रीमती फूलमती, रवि शंकर सिंह जनपद अध्यक्ष, राज कुमारी बैगा उपाध्यक्ष, दुर्गा शंकर मिश्र जनपद सदस्य चंद्र प्रताप क्षेत्र क्र.10 रूप जायसवाल क्षेत्र क्र.07 ज्योति सिंह क्षेत्र क्र.12 तथा सरपंच अशोक कुमार. राजेन्द्र सिंह, तिलकधारी, रामसिया, प्रमिला सिंह एवं सभी जन प्रतिनिधियों तथा उपस्थित ग्रामीण जनों को जनमन पत्रिका का वितरण जिला जनसंपर्क विभाग द्वारा किया गया।

शासकीय हाई स्कूल फूलचुही में यूको क्लब का हुआ गठन, किया वृक्षारोपण

अखिलेश जायसवाल/ भारत भास्कर अंबिकापुर // जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल फुलचुही में शिक्षा सप्ताह का आयोजन राज्य सरकार के मंशारूप किया गया ।जिसमे खेल सांस्कृतिक कार्यक्रम, कौशल विकास युवा इको क्लब गठन के साथ कारगिल विजय दिवस और एक पेड़ मां के नाम प्रमुख रूप है । शिक्षा सप्ताह के माध्यम से विद्यार्थियों का विकास हो उनको नया माहौल मिले जिनसे प्रभावित होकर विद्यालय की गतिविधियों मे विद्यार्थियों की सतत भागीदारी हो इसी उद्देश्य से शासन ने शिक्षा सप्ताह का आयोजन किया था ।इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए विद्यालय में प्रत्येक दिवस अलग अलग कार्यशाला आयोजित किया गया ।जिसमे विद्यालय के शिक्षको द्वारा जानकारी दिया गया।

देशभक्ति की भावना विद्यार्थी में आ सकें इसी उद्देश्य से विजय दिवस का आयोजन किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों ने अपनी भागीदारी दी ।साथ ही ग्रामीण खेलो को बढ़ावा देने के लिए खेल का आयोजन भी किया गया। वर्तमान समय में कौशल विकास बहुत आवश्यक है इसके बारे में भी जानकारी दिया गया।

युवा इको क्लब का गठन विद्यालय में

किया गया क्लब प्रभारी विपिन बिहारी गहवई ने क्लब की आवश्यकता क्यों है पदाधिकारियो का क्या काम है और वे अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन कैसे कर सकते है के बारे में विस्तार से बताया । प्राचार्य मोहन प्रसाद यादव ने पेड़ो की महत्व के बारे में बताया कि पेड़ के कटाव से जलवायु कैसे आज परिवर्तन हो रहा है ।और एक पेड़ मां के नाम लगाने का सही बताया ।साथ ही युवा इको क्लब के पदाधिकारी गण को क्लब टीशर्ट और बैच लगा विद्यार्थियों को जिम्मेदारी दी। सभी पदाधिकारी और शिक्षको ने लगभग 50 फलदार छायादार पेड़ रोपण किया।

इको क्लब के गठन मे प्रधानमंत्री मनीष कुमार उप प्रधानमंत्री तोशेंद्र कुमार शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र कुमार ,वित्त मंत्री अंजु पैकरा ,खेल मंत्री आलोक कुमार , कानून सुरक्षा मंत्री कैलाश वती ,स्वास्थ्य मंत्री तेज बहादुर ,पर्यावरण मंत्री दीपा, कृषि मंत्री जगनारायण,सास्कृतिक मंत्री हेमन्ती देवंती, स्वच्छता मंत्री मनी के साथ कक्षा नायक का चुनाव किया गया ताकि बच्चो में जिम्मेदारी का विकास हो सके।

इस दौरान रामेश्वर राठौर नीलीमा खलखो ,दलेश्वर,मनमोहन ,फुलबासिया, समीर सहित विद्यालय के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

शा.उ.मा.विद्यालय सलका में

एक पेड़ मा के नाम योजना के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

अखिलेश जायसवाल/ भारत भास्कर/ अंबिकापुर /शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सलका विकास खंड उदयपुर में शिक्षा सप्ताह के अन्तर्गत एक पेड़ मा के नाम 卐' वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन उच्च कार्यालय के निर्देशानुसार किया गया जिसमें विद्यालय के प्राचार्य बी. बी. राम के निर्देशन में युवा एवं इको क्लब के विद्यार्थियों व विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं तथा कार्यालयीन कर्मचारियों द्वारा अपने अपने मां के नाम पर,फलदार एवं इमारती कुल 21 पौधे लगाकर उसकी सुरक्षा की गई तथा पौधों के फलदार एवं छायादार होने तक उनकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया। इसके पूर्व विद्यालय के एन एस

एस ईकाई तथा युवा एवं इको क्लब द्वारा सम्मानीय विधायक विधानसभा क्षेत्र अम्बिकापुर के मुख्य आतिथ्य में दिनांक 05.07.2024 को विद्यालय प्रांगण में 50 तथा अमृत सरोवर में 70 फलदार एवं छायादार पौधे लगाकर उसकी सुरक्षा की गई तथा उनके बड़े होने तक उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया गया था ,इस अवसर पर सम्मानीय विधायक महोदय द्वारा भी एक बरगद का वृक्ष लगाया गया था जिसके सुरक्षा की जिम्मेदारी एन एस एस प्रभारी ऋषि कुमार पाण्डेय व्याख्याता ने लिया है,आज पुन: उन सभी पौधों के आस पास निराई गुड़ाई की गई तथा सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया गया,इन सभी पौधों के सुरक्षा की जिम्मेदारी एन एस एस तथा युवा एवं इको क्लब के विद्यार्थियों को दी गई है जिन्होंने अपने अपने मां के नाम पर एक पेड़ की सुरक्षा करने का संकल्प लिया है।

आज के कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम का संचालन ऋषि कुमार पाण्डेय, जीआर महेंद्र कुमार रमेश कुमार चन्द्रा सुश्री मेरी बहालेन धान तथा विद्यालय के शाला नायक कुमारी मोनिका एवं सूरज कुमार द्वारा किया गया।

सार-समाचार

कलेक्टर ने राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर राजस्व प्रकरणों के निराकरण में तेजी लाने के दिए निर्देश

अशोक लुनावत/ कांकेर। लोकप्रिय, कलेक्टर नीलेश कुमार क्षीरसागर ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर उनके कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने जिले में सभी न्यायालयवार राजस्व मामलों के निराकरण की जानकारी लेते हुए उनकी विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि राज्य शासन आम नागरिकों के समस्याओं के निराकरण के लिए संवेदनशील हैं। सभी राजस्व अधिकारी राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करें, विशेषकर किसानों के बटांकन और सीमांकन जैसे कार्य समय पर करें। साथ ही नियमित रूप से निर्धारित तिथि अनुसार कोर्ट लगाकर सुनवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समय सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों के शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में जिले के न्यायालयवार नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, डायवर्सन, नक्शा बटांकन, भू-अर्जन प्रकरणों में भुगतान की स्थिति, भू-राजस्व वसूली, वन ग्राम से राजस्व ग्राम सर्वेक्षण, कृषि समगणना सहित स्वामित्व योजना कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने गिरदावरी कार्य को पूरे सावधानी एवं शुद्धता के साथ करने एवं शत-प्रतिशत रिकार्ड दुरूस्ती की कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले के विभिन्न तहसीलों में विवादित नामांतरण, विवादित बंटवारा एवं सीमांकन सहित कई राजस्व प्रकरणों के लंबित मामलों को देखते हुए इसके निराकरण के लिए गंभीरता से कार्य करने को कहा। उन्होंने विभिन्न विभागों के लिए जमीन आबंटन के प्रकरणों के भी निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में इसके अलावा उन्होंने वृक्ष कटाई, ई-कोर्ट में दर्ज प्रकरण, बन्दोबस्त त्रुटि सुधार, लोक सेवा गारंटी, अवैध प्लाटिंग सहित अन्य मामलों के प्रगति की भी जानकारी ली और लंबित प्रकरणों के जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक में एडीएम श्री एस. अहिरवार, श्री जितेन्द्र कुर्रे श्री बी.एस. उइके सहित सभी एसडीएम एवं राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

शासकीय कन्या शाला सिमगा में हुआ नेवता भोज कार्य म का आयोजन : मनोज टोंडे

सिमगा शासन की महत्वाकांक्षी योजना न्योता भोज के तहत उच्च अधिकारियों के निर्देश पर विद्यार्थियों में सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने एवं आपसी प्रेम सद्भावना के विकास हेतु शासकीय कन्या शाला सिमगा में शिक्षक ङ्क शिक्षिकाओं सामाजिक कार्यकर्ता मनोज टोंडे द्वारा 29 जुलाई को विद्यालय के छात्र-छात्राओं को न्यौता भोज के तहत पौष्टिक एवं गुणवत्तायुक्त स्वादिष्ट भोजन .खिर पुड़ी मिठाई फल खिलाया गया । न्योता भोजन का उद्देश्य समुदाय के बीच अपनेपन की भावना का विकास, भोजन के पोषक मूल्य में वृद्धि और सभी समुदाय वर्ग के बच्चों में समानता की भावना विकसित करना है. यह पूरी तरह से स्वैच्छिक है. समुदाय के लोग या फिर कोई भी सामाजिक संगठन, स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं. इसके अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकते हैं. नेवता भोज कार्यक्रम का आयोजन मनोज टोंडे द्वारा किया गया उक्त कार्यक्रम में नूतन घिदौड़े. एवं स्कूल के सभी बच्चे . स्टाप उपस्थित रहे

सामुदायिक शौचालय का राशि गबन के मामले में ग्राम पेंडरखी सचिव हुआ निलंबित

अखिलेश जायसवाल/ भारत भास्कर अंबिकापुर / सरगुजा जिले के उदयपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पेंडरखी के सचिव द्वारा सामुदायिक शौचालय की राशि गबन के आरोप में शिकायत पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद उदयपुर के द्वारा जांच रिपोर्ट भेजी गई थी । जांच में आरोप सिद्ध होने पर जिला पंचायत सीईओ ने तत्कालीन सचिव नारायण यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। बताया जा रहा है की उदयपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय की अग्रिम राशि आहरण कर ली गई है जबकि कई सामुदायिक शौचालय अभी भी अधूरे हैं और राशि निकालकर गबन कर लिया गया है। ग्रामीण व जनप्रतिनिधियों ने इस पर निष्पक्ष जांच कर दोषियों के ऊपर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

फिलहाल इस मामले में जनपद पंचायत उदयपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेद प्रकाश गुप्ता ने बताया है कि शौचालय संबंधित आहरित राशियों की जांच की जाएगी वह जहां भी ऐसे गबन के मामले हैं उन सचिवों के ऊपर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रलोभन देकर आतंकी बनाकर घुसपैठ

प्रमोद भार्गव

पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर में आतंकवादी हमले तेज कर दिए हैं। धारा 370 के खात्मे के बाद घाटी के हालात में जबरदस्त सुधार देखते हुए पाकिस्तान ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

स्थानीय स्तर पर घाटी के मुस्लिम युवाओं ने आतंक की राह छोड़कर जब करियर बनाने की दिशा में पहल कर दी तो पाक की भारतीय सीमा में युवाओं को लालच देकर आतंकी बनाने की मंशा पर विराम लग गया।

अतएव अब उसने अपने ही पूर्व सैनिकों को पल्रोभन देकर आतंकी बनाकर घुसपैठ करानी शुरू कर दी। नतीजतन भारतीय जमीन पर एक बार फिर से आतंकी घटनाओं का सिलसिला तेज हो गया। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक सेना के कप्तान समेत पांच जवान शहीद हो गए। सुरक्षाबल निरंतर आतंकियों को मार गिरा रहा है। बावजूद घुसपैठ का सिलसिला बना हुआ है, जो देश और सेना के लिए चिंता का सबब है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक घाटी में करीब डेढ़ माह से जारी आतंकी हमलों में पाकिस्तानी सेना के पूर्व सैनिकों की लिप्ता के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। एजेंसियां इसका यह भी मानकर चल रही हैं कि घाटी में भारी मतदान के बाद पाकिस्तान हताशा के दौर से गुजर रहा है।

उसे आशंका है कि कहीं विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर प्रांत में लोकतंत्र की बहाली न हो जाए? इसलिए वह घाटी में हमलों के जरिए माहौल खराब करके दहशत का वातावरण रचने में लगा है। अलगाववादी सुर का आलाप करने वाले मुफ्ती और अब्दुल्ला परिवार को मतदाता ने हराकर यह साबित कर दिया कि घाटी के हालात बदतर करने में इन

परिवारों की भूमिका अहम रही है। इससे पाक ने शायद अंदाजा लगाया है कि विधानसभा चुनाव के बाद घाटी में जो प्रजातांत्रिक सरकार बनेगी, वह पाक की मंशा के अनुरूप चलने वाली नहीं है। इसलिए माहौल खराब करके चुनाव को टला जाए।

इस बीच पाकिस्तान की फंडिंग से घाटी की तरह जम्मू क्षेत्र में आतंकियों की मदद करने वाले ओवर ग्राउंड कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क भी तैयार किया है। इसे सेना ध्वस्त करने में लगी है। डोडा किश्तवार, पुंछ, राजौरी, रियासी और कठुआ के कठिन भौगोलिक इलाकों में पिछले दो दषक में जैश-ए-मोहम्मद और लश्करे तैयबा ने ओवर ग्राउंड वार्कर नेटवर्क खड़ा किया था। यह अंततरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा से आने वाले आतंकियों को घाटी के सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम करता था। घाटी में रहने वाले ये वार्कर घने वनों और दुर्गम इलाकों में छोटे-छोटे घर बनाकर रह रहे हैं।

रियासी जिले में हिंदू भक्तों की बस पर गोली चलाने वाले आतंकियों को इन्हीं ओवर ग्राउंड वर्कर ने मदद की थी। भारतीय सेना के अनुसार ओवर ग्राउंड वार्का वे लोग होते हैं, जो उग्रवादी या आतंकवादियों को रसद, नकदी, आश्रय और अन्य रहने लायक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। सेना इस नेटवर्क को नष्ट कर रही है। पाक सेना कितनी दगाबाज है, इसका खुलासा पाक के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व अधिकारी शाहिद अजीज ने 'द नेशनल डेली' में किया था। इसमें कहा गया था कि कारगिल युद्ध में पाक आतंकवादी नहीं, बल्कि उनकी वर्दी में पाकिस्तानी सेना के नियमित सैनिक ही लड़ रहे थे और इस लड़ाई का लक्ष्य सियाचिन पर कब्जा करना था। चूंकि यह लड़ाई बिना किसी योजना और अंतरराष्ट्रीय हालात का अंदाजा लगाए बिना लड़ी गई थी, इसलिए तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया था। इससे यह तथ्य तो प्रमाणित होता है कि पाकिस्तानी फौज इस्लामाबाद के पूरे नियंत्रण में नहीं है। आतंकी सरगना हाफिज सईद भारत-पाक सीमा पर खुलेआम घूम रहा है। जैश, लश्कर और हिजबुल के आतंकी दहशतगर्दी फैलाने में शरीक हैं।'

पाकिस्तान पूर्व सैनिकों को आतंकी बना रहा है। इसका सत्यापन इस तथ्य से भी होता है कि हाल ही में मारे में जिन आतंकियों से खतरनाक हथियार बरामद हुए हैं, उनका संचालन आसानी से सेना से प्रशिक्षित व्यक्ति ही कर सकता है। इन हथियारों में एम-4 कार्बाइन, 509 टैक्टिगल गन और एम-1911 और स्टेयर एयूजी रायफल बरामद हुई हैं। आतंकियों के पास से अल्ट्रा और माइक्रो रेडियो सेट भी बरामद हुए हैं। इनके नेटवर्क में सेंध लगाना आसान नहीं है। ये उपकरण भी अमेरिका द्वारा निर्मित हैं।

अफगानिस्तान में नाटो सेनाओं ने इन हथियारों का इस्तेमाल किया था। अतएव ऐसी आशंका है कि अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना द्वारा छोड़े गए हथियार अब जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकियों तक पहुंच रहे हैं। यदि यह तथ्य एक ठोस सच्चाई है तो कश्मीर में आतंकी हिंसा का दुश्चक्र बढ़ता दिखाई दे सकता है? दरअसल, ये हथियार पाकिस्तान के जरिए भी आतंकियों को मिल सकते है और सीधे अफगानिस्तान से भी लाए जा सकते हैं। भारतीय एजेंसियों को ऐसी सूचनाएं भी मिली हैं, कि इन्हें तालिबान सीधे आतंकियों को आर्थिक बदहाली दूर करने के लिए बेच भी रहा है। पिछले चार वर्ष से आतंकियों के पास स्टेयर एयूजी रायफल होने के सूचनाएं मिल रही थीं।

संपादकीय

प्रकृति से लड़कर कोई आज तक जीत नहीं सका

उत्तराखंड स्थित केदारनाथ में गौरीकुंड के पास पहाड़ी से पत्थर नीचे गिरने के कारण तीन लोगों की मौत वाकई दुखद है। हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से जख्मी हैं। दरअसल, पहाड़ों में बारिशों के कारण अक्सर ही जमीन खिसकने (लैंड स्लाइड) के मामले होते रहते हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि लैंड स्लाइड होने के कारण ही यह हादसा हुआ है। हादसा रविवार सुबह हुआ। पहाड़ से बड़े-बड़े पत्थर गिरने की घटना तीन स्थानों पर हुई। गौर करने वाली बात यह है कि गौरीकुंड-जहां हादसा हुआ है-वहां से केदारनदाथ धाम तक 16 किलोमीटर लंबे पैदल यात्रा मार्ग पर कई संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां हल्की बारिश में ही पहाड़ से पत्थर और मलबा गिरने लगता है। यह पूरा स्ट्रेच भूस्खलन की दृष्टि से अतिसंवेदनशील है। इस मामले में कुछ ऐसा हुआ कि उस दिन भारी बारिश हो रही थी और श्रद्धालु यात्रा पर थे। उन्हें इस आशंका का भान ही न हो सका। यहां प्रशासन की जिम्मेदारी को परखना जरूरी बन जाता है। जब यह बात वहां के प्रशासन और आपदा प्रबंधन को मालूम था तो फिर यात्रियों को इसकी जानकारी देना उनका फर्ज था। वैसे भी केदारनाथ में इससे पहले कई हादसे हुए हैं। बीते आठ वर्षों में वर्षाकाल के दौरान इस मार्ग पर हादसे में 19 व्यक्तियों को जान गंवानी पड़ी। इस नाते वहां के प्रशासन को इसकी तैयारियां चौकस रखनी चाहिए थी। यह घनघोर लापरवाही का मामला है। इसकी अनदेखी नहीं होनी चाहिए थी। हालांकि अब प्रशासन अपनी साख बचाने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, मगर यह सब कवायद यात्रा शुरू होने से पहले होनी चाहिए थी। ताजा निर्देश के मुताबिक शाम 5 बजे से दूसरे दिन सूर्योदय तक केदारनाथ पैदल मार्ग पर आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। यात्रियों की भी जिम्मदारी है कि वो खुद से खतरा मोल न लें। अगर मौसम साफ है और यात्रा में कोई व्यवधान की अग्रिम सूचना नहीं है तभी आगे बढ़ा जा सकता है। प्रकृति से लड़कर कोई आज तक जीत नहीं सका है। सभी लोगों को उसके रौद्र रूप की वजहों की तलाश करनी होगी और उसका सम्मान भी करना होगा। पहाड़ी राज्यों में लोगों की जरूरत से ज्यादा आवाजाही और अंधाधुंध निर्माण के कायरे पर बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना होगा। प्रकृति के साथ तारतम्य बनाने और उसके अनुरूप चलने से ही जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है। यह बात हर किसी को अपने जेहर में रखनी होगी।

हर साल परीक्षाओं में अखिल भारतीय स्तर पर समस्या

अजीत द्विवेदी

दिल्ली विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर ने कहा है कि देश के इस सबसे प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में अकादमिक सत्र दो हफ्ते आगे बढ़ गया है क्योंकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए होने वाली अखिल भारतीय परीक्षा यानी सेंट्रल यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट, सीयूईटी के नतीजे नहीं आएं हैं। पहले से तय कैलेंडर के मुताबिक 30 जून तक नतीजे आ जाने थे। लेकिन सीयूईटी की परीक्षा का आयोजन करने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए ने 30 जून तक आंसर की भी जारी नहीं किए। आंसर की जारी होने के बाद कम से कम 10 दिन का समय लगता है अंतिम नतीजे आने में। एनटीए ने आंसर की तो जारी कर दी है लेकिन नतीजे का इंतजार अब भी हो रहा है ताकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले की शुरुआत हो सके। दाखिला होने के बाद ही तो अकादमिक सत्र शुरू होगा!

इस बीच देश के एक दूसरे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विश्वविद्यालय जेएनयू ने स्नात्तकोत्तर यानी पीजी में दाखिले के लिए अपनी परीक्षा अलग कराने पर विचार शुरू कर दिया है। इसका मतलब है कि एनटीए पर से उसका भरोसा डोल गया है और उसको लग रहा है कि अगर एनटीए के भरोसे रहे तो उसका भी अकादमिक सत्र धीरे धीरे पिछड़ता जाएगा। तीसरी खबर यह है कि विश्वविद्यालयों में लेक्चरर की पात्रता तय करने के लिए होने वाली यूजीसी नेट की परीक्षा अगस्त के महीने में होगी। यह परीक्षा 18 जून को हुई थी और पेपर लीक की आशंका के चलते 19 जून को परीक्षा रद्द कर दी गई थी।

परीक्षा रद्द करते ही इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी गई, जिसने बताया है कि इसका पेपर लीक नहीं हुआ था। किसी छात्र शरारतपूर्ण तरीके से एक फर्जी पेपर सोशल मीडिया में डाल दिया, जिसे एनटीए ने असली समझ कर परीक्षा रद्द कर दी। सोचें, एनटीए ने सोशल मीडिया में वायरल पेपर का यूजीसी नेट के असली पेपर से मिलान करने की जरुरत भी नहीं समझी। उसे भारत सरकार की एक एजेंसी से सूचना मिली की पेपर ऑनलाइन उपलब्ध है और उसने परीक्षा रद्द कर दी! यह अलग बात है कि नीट यूजी की परीक्षा के पेपर लीक की पुष्टि होने के बाद भी एनटीए ने उस परीक्षा को रद्द नहीं किया है और सुप्रीम कोर्ट में जी तोड़ प्रयास किया कि परीक्षा रद्द नहीं हो। दोनों परीक्षाओं के प्रति उसके अलग अलग रवैए का कारण समझना मुश्किल है।

बहरहाल, प्रवेश और प्रतियोगिता परीक्षाओं की इन गड़बडियों और शिक्षा व्यवस्था पर पड़ते इनके प्रभाव को लेकर सहज रूप से पूरे देश में चिंता है। सरकार ने %एक देश, एक परीक्षा' और %एक देश, एक शिक्षा' की नीति के चक्कर में सबको मुश्किल में डाला है। ऐसा लग रहा है कि सरकार एक देश, एक सब कुछ से ऑबसेस्ड है। %एक देश, एक चुनाव', %एक देश, एक टैक्स', %एक देश, एक कानून' आदि इसी का नतीजा हैं। यह सब कुछ बिना ये सोचे हो रहा है कि भारत किसी यूरोपीय या अफ्रीकी या लैटिन अमेरिकी देश की तरह का देश नहीं है, जहां पूरी आबादी एक तरह की है और जहां एक तरह की शिक्षा, संस्कृति, भाषा, खान-पान, पहनावा प्रचलित है। भारत एक विशाल देश है, जिसमें असीमित विविधताएं हैं। यहां एक देश, एक सब कुछ का ऑब्सेशन नुकसान पहुंचाने वाला साबित हो सकता है। यह बात परीक्षा और शिक्षा दोनों के मामले में भी सही है। यहां आबादी 140 करोड़ है और एक परीक्षा में इतने लोग शामिल होते हैं, जितनी कई देशों की आबादी होती है। इसलिए इतनी बड़ी परीक्षाएं एक साथ आयोजित करने की जिद सरकार को छोड़ देनी चाहिए। मेडिकल, इंजीनियरिंग से लेकर विश्वविद्यालयों में दाखिले की जिम्मेदारी राज्यों पर छोडनी चाहिए।

राज्यवार परीक्षाएं होंगी तो उनके आयोजन की जिम्मेदारी राज्यों के ऊपर होगी। दूसरे, उनमें एक बार में कम छात्र शामिल होंगे और गड़बड़ी होने पर उनका असर भी सीमित होगा। तीसरे राज्य अपनी जरुरत के हिसाब से चयन करेंगे। केंद्र सरकार को केंद्रीय एजेंसियों के जरिए सिर्फ अखिल भारतीय सेवाओं में बहाली की परीक्षाएं ही आयोजित करनी चाहिए। सिर्फ नीट यूजी की परीक्षा, जिस पैमाने पर हुई उससे समझा जा सकता है कि केंद्रीकृत परीक्षा व्यवस्था बनाने से कितनी मुश्किलें हैं। इस एक परीक्षा में 24 लाख छात्र शामिल हुए और एक बार में 4,750 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा का आयोजन किया गया। इतनी बड़ी परीक्षा आयोजित करना किसी भी एजेंसी के लिए बहुत मुश्किल काम है। इतने परीक्षा केंद्रों पर प्रश्न पत्र पहुंचाना, परीक्षा के बाद आंसर शीट को संभालना, उसकी देखभाल करना और यह सुनिश्चित करना कि न पेपर लीक हो और न परीक्षा के बाद आंसर शीट में कोई छेड़छाड़ हो, मुश्किल काम है। इसमें हमेशा किसी न किसी किस्म की गड़बड़ी की आशंका बनी रहेगी।

बहरहाल, परीक्षा की व्यवस्था को केंद्रीकृत करने का क्या नुकसान है यह नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए और नेशनल रिक्रूटमेंट एजेंसी यानी एनआरए की विफलता से प्रमाणित है। इस साल एनटीए की चार परीक्षाएं सवालों के घेरे में हैं, जिनमें से एक रद्द हो गई, दो की तारीख बढ़ी और एक का मामला कोर्ट में पेंडिंग है। इस संस्था को 14 लोगों की एक ऐसी टीम चला रही है, जिसके सभी अधिकारी अलग अलग विभागों से डेपुटेशन पर आए हैं। इस एजेंसी ने परीक्षा से जुड़ा सारा काम आउटसोर्स किया है। यानी ठेके पर काम कराया जा रहा है। जहां तक राष्ट्रीय भर्ती एजेंसी यानी एनआरए का मामला है तो यह एजेंसी चार साल से टेकऑफ ही नहीं कर पाई है। चार साल पहले इसका गठन हुआ था और अभी तक इस पर 58 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं लेकिन इस एजेंसी ने एक भी परीक्षा नहीं कराई है। 2020 में बनी इस एजेंसी को पहला टेस्ट 2021 में कराना था लेकिन 2024 तक यह एजेंसी एक भी परीक्षा आयोजित नहीं कर पाई है।

इस बीच सरकारी भर्ती करने वाली तीन एजेंसियों स्टाफ सेलेक्शन कमीशन यानी एसएससी, रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड यानी आरआरबी और इंस्टीच्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन यानी आईबीपीएस ने कहा है कि वे अपनी अलग परीक्षाएं आयोजित करते रहेंगे। सोचें, अगर एक केंद्रीकृत परीक्षा होती है और ऊपर से इन तीन एजेंसियों की परीक्षा भी होती है तो कितना कंफ्यूजन होगा?

टेक्नोलॉजी और ईमानदारी प्रकाशन के लिए आवश्यक- राजेश कुमार

आचार्य राजेश कुमार ने कहा है कि नई टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल और ईमानदारी से काम करना प्रकाशन जगत के विकास के मूल में है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल पब्लिकेशन ने प्रकाशन जगत के लिए नए आयाम खोले हैं, जिनका अभी भारतीय प्रकाशक बहुत अधिक इस्तेमाल नहीं कर रहे। राजेश कुमार ने प्रकाशन के संबंध में ये भविष्योन्मुखी बातें कल स्वतंत्र प्रकाशन समूह की वर्षगाँठ पर आयोजित एक कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहीं। राजेश कुमार ने कहा कि अब एआई की मदद से वैयक्तिकृत सामग्री तैयार की जा सकती है, सामग्री को प्रवर्धित किया जा सकता है, ऑगमेंटेड और वर्चुअल रियलिटी के द्वारा इसे इमर्सिव और इंटरेक्टिव बनाया जा सकता है, और इसके साथ ही अब सामग्री का अनेक भाषाओं में अनुवाद करना बहुत सरल हो गया है। राजेश कुमार में बताया कि आगे आने वाले समय में प्रकाशन जगत में ऑन-डिमांड सामग्री की माँग बढ़ेगी, और इसके साथ ही लोगों में डिजिटल और ऑडियो सामग्री को सदस्यता के रूप में लेने के प्रति रुझान बढ़ेगा।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार लालित्य ललित ने इस अवसर पर एक वर्ष की छोटी अवधि में स्वतंत्र प्रकाशन समूह की उपलब्धियों की प्रशंसा की और उनके कार्य की गुणवत्ता और विविधता को रेखांकित किया।

इस अवसर पर स्वतंत्र प्रकाशन समूह के निदेशक श्री सुशील स्वतंत्र ने अपने कार्यों का ब्योरा देते हुए भविष्य की योजनाओं का खुलासा किया। कार्यक्रम में हिंदी के अनेक प्रमुख प्रकाशक जैसे अशोक गुप्ता, अशोक मिश्र, गिरिराजशरण अग्रवाल, लालित्य ललित, और राकेश पांडेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इसके साथ ही समारोह में अनेक साहित्यकारों ने भी भाग लिया, जिनमें प्रमुख हैं, विनयशील चतुर्वेदी, प्रवेश जैन, शिल्पी राही, और सुगंधि कुलश्रेष्ठ। इस अवसर पर प्रो। राम गुलाम राज़दान की पुस्तक 'आत्महत्या क्यों और बचे कैसे?' का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन पंजाबी की प्रमुख कवयित्री तरिंदर कौर ने किया। धन्यवाद ज्ञापन स्वतंत्र प्रकाशन समूह के प्रभारी उदय राज ने किया।

प्रभात जी लाखों कार्यकर्ताओं के मार्गदर्शक, उनकी स्मृतियां हमेशा महसूस होगी

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

26 जुलाई 2024 के दिन जब पूरा भारत कारगिल विजय दिवस के गौरव पूर्ण इतिहास को याद कर रहा था, ऐसे मैं जब मुझे यह खबर मिली कि मुझ जैसे अनेक कार्यकर्ता के मार्गदर्शक और भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री प्रभात जी का देहावसान हो गया है, तो यकायक मुझे विश्वास ही नहीं हुआ। किंतु नियति को कौन अनसुना और अनदेखा कर सकता है।

अंततः यह भरोसा करना पड़ गया कि अब भाईसाहब प्रभात जी सशरीर हमारे बीच नहीं रह गए। आज के बाद उनकी स्मृतियों को केवल अंतर्मन की गहराइयों से ही महसूस किया जा सकेगा। आदरणीय प्रभात जी भाईसाहब का निधन मेरे लिए तो व्यक्तिगत क्षति ही है। क्योंकि ऐसे अनेक अवसर आए जब मुझे किसी सहारे की आवश्यकता हुई, तो कभी उनसे कहना नहीं पड़ा। बल्कि जैसे ही उन्हें ये खबर लगी कि राघवेंद्र को मेरी सहायता की आवश्यकता है, तो वे स्वयं चलकर आए और मेरे लक्ष्य के बीच आने वाली जो भी बाधाएं और परेशानियां थीं ,उनका समूल शमन किया। एक प्रसंग मुझे आज भी याद है, जब मेरा ड्राइविंग लाइसेंस बनना था और मुझे आवेदन में अपना पता लिखना था। तब मेरा ऐसा कोई स्थाई ठौर ठिकाना नहीं था, जो विधिवत रूप से उक्त आवेदन में लिखा जा सके । तब प्रभात भाईसाहब खुद मुझे लेकर आरटीओ ऑफिस पहुंचे। उक्त फार्म में केयर ऑफ करके अपने निवास का पता लिखते हुए कहा कि मेरा ठौर ठिकाना होते हुए भी राघवेंद्र को अपना पता लिखने के लिए इतना सोचना पड़े तो फिर मैं खुद को अप्रासंगिक ही पाता हूं। आज जब वह प्रसंग याद आता है तो आंखें नम हो जाती हैं और महसूस होता है कि प्रभात भाईसाहब के

रूप में मानो मेरे से एक ऐसी भावना प्रद छत हट गई, स्थाई संरक्षण मुझे सदैव मिलता रहा है। मेरा अनुभव है कि मेरे प्रति प्रभात भाईसाहब की जो सद्भावनाएं रहीं वह उनके लिए विशेष ना होकर उनका केवल सहज स्वभाव ही था। क्योंकि मैंने देखा भी और सुना भी, प्रभात भाईसाहब किसी को भी परेशानी में देखते और यह पाते कि वह संबंधित व्यक्ति की परेशानियों का शमन कर सकते हैं तो वे ऐसा अवश्य करते थे। उनके इसी सहज सुलभ पारस्परिक सहयोग के व्यवहार ने उन्हें मध्य प्रदेश के एक प्रख्यात नेता के रुप में स्थापित कर दिया। वरना कौन नहीं जानता कि प्रभात भाई साहब मूलतः बिहार के निवासी थे, और उच्च शिक्षा के लिए उनका मध्य प्रदेश के ग्वालियर महानगर में आगमन हुआ था। तब संघ के प्रयासों से उन्हें वहां के मुखर्जी भवन में ठहराया गया, जिसे हम ग्वालियर के भाजपा कार्यालय के रूप में पहचानते हैं। पढने् लिखने का शौक उन्हें ग्वालियर के जयेंद्र गंज क्षेत्र में स्थित स्वदेश कार्यालय तक ले आया। और फिर लंबे समय तक स्वदेश और प्रभात जी एक दूसरे के पर्याय बने रहे। अनेक वरिष्ठ पत्रकार साथी बताते हैं कि जब जब प्रभात भाईसाहब के लेख स्वदेश की फ्लैश स्टोरी हुआ करते थे तब तब उक्त प्रख्यात समाचार पत्र का प्रिंट आर्डर बढ़ता दिखाई देता था। देश और प्रदेश के विकास को समर्पित उनके लेखों ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी प्रभावित किया। फलस्वरुप वे मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के संवाद प्रमुख बनाए गए। उनके कार्यकाल में भाजपा कार्यकर्ताओं को उनकी ओर से बेहद आत्मीयता का व्यवहार मिला और प्रोत्साहन भी। इससे प्रभात भाईसाहब का कद और उनका संपर्क दिनों दिन व्यापक होता चला गया। इस प्रभाव को देखते हुए भाजपा ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए उनके हाथों में मध्य प्रदेश के संगठन की कमान सौंप दी और वे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत हुए। उन्होंने अपने प्रदेश अध्यक्ष के कार्यकाल में अनेक ऐसे जोखिम पूर्ण निर्णय लिये जो पार्टी के लिए नवाचार भी थे और लाभदायक भी। नतीजतन उनके कार्यकाल में भाजपा को नई ऊंचाइयां मिली और संगठन का व्यापक विस्तार भी हुआ। प्रभात जी स्वभाव से बेहद उत्कृष्ट श्रेणी के लेखक, चिंतक और विचारक थे। अनेक व्यस्तताओं के बावजूद उनका लेखन अनवरत जारी रहा और अपने जीवन में उन्होंने अनेक साहित्यों की रचना की। उनकी इस योग्यता का प्रयोग संगठन ने अपने मुख पत्र कमल संदेश में भी किया। इस बीच विभिन्न माध्यमों से आप सुविधाओं की दृष्टि से बेहद पिछड़ी हुई बस्तियों में जनता जनार्दन के सेवा कार्यों में संलग्न बने रहे। उनके द्वारा किए जाने वाले जनहित के कार्यों को और व्यापकता मिले, इस दृष्टि से भाजपा ने उन्हें राज्यसभा में चुनकर भेजा और प्रभात जीइस कसौटी पर भी खरे साबित हुए। यही वजह रही कि बाद में उन्हें भारतीय जनता पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद भी सौंपा गया। इस प्रकार अपनी तरुण अवस्था से लेकर जीवन पर्यंत प्रभात जी पत्रकारिता, साहित्य लेखन और भाजपा के माध्यम से जनसाधारण के सेवा कार्य को समर्पित बने रहे।

जीवन के अधिकांश समय तक जिनके निवास का पता भाजपा कार्यालय ही रहा, ऐसे प्रभात जी पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और उन्हें गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भोर के ब्रह्म मुहूर्त में उन्होंने वैकुंठ लोक की ओर महाप्रयाण किया तो ऐसा लगा मानो भाजपा ही नहीं, वरन् मध्य प्रदेश की राजनीति में एक युग का अंत हो गया। एक नेता जो अपने से छोटे कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की अपने परिवारजनों की तरह चिंता करता था, वह अब इस लोक के निवासी नहीं रहे। हमारे पूर्वज कहा करते थे कि अच्छे लोगों की भगवान को भी आवश्यकता होती है। मुझे लगता है, शायद इसीलिए उन्होंने हमारे प्रभात भाईसाहब को कुछ जल्दी ही इस लोक से अपने लोक के लिए बुला लिया। प्रभात भाईसाहब अपने कृतित्व, लेखन, जन हितेषी राजनीति, उत्कृष्ट पत्रकारिता में स्थापित मानदंडों और जनता जनार्दन की सेवा में किए गए सद्कार्यों के माध्यम से सदैव हमारे मन मस्तिष्क में बने रहेंगे।

4 जून 1957 को बिहार की पावन भूमि पर परम श्रद्धेय पिताश्री पनेश्वर जी और माताश्री अमरावती के आंगन में अवतरित हुए और फिर 26 जून 2024 को अनंत ब्रह्मांड में समाहित हो गए स्वर्गीय श्री प्रभात जी को शत-शत नमन।

पत्रकार दंपति परिवार सहित बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) यात्रा कर सकुशल वापस, यात्रा के दौरान कई अनुभव प्राप्त

भारत भास्कर/ बिलासपुरः- बिलासपुर जिला से पत्रकार दंपति राधेश्याम कोरी परिवार सहित बाबा बैद्यनाथ धाम यात्रा कर सकुशल वापस गृह निवास पहुंचे। यात्रा के दौरान कई अनुभव प्राप्त हुआ परिवार में श्रीमती मिथिला राधेश्याम कोरी,श्रीमती अनीता फंड़से (अमरावती महाराष्ट्र) बिमला देवी कोरी एवं कुमारी गायत्री कोरी अंबिकापुर साथ रहे।

सुल्तानगंज से जल उठाकर यात्रा के लिए बाबा धाम (देवघर) गए तो यात्रा के दौरान कई अनुभव प्राप्त हुआ यात्रा के पूर्व श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के जिला अध्यक्ष सूरजपुर अजय चक्रधारी से बातचीत होता रहा उन्होंने आग्रह भी किया कि छत्तीसगढ़ बोल बम कल्याण संघ में अवश्य एक दिवस विश्राम करें, हमने उनके आग्रह स्वीकार करते हुए छत्तीसगढ़ बोल बम कल्याण संघ सूरजपुर अंबिकापुर धर्मशाला में विश्राम किया। वहां बिलासपुर-रतनपुर के साथी से मुलाकात भी हुआ धर्मशाला में एक साथ भोजन प्राप्त किया एवं एक दिन विश्राम भी किये। रतनपुर- बिलासपुर के साथी में शशि भूषण सोनी रतनपुर, श्याम सुंदर अग्रवाल बिलासपुर, रवी गर्ग बिलासपुर, नवीन कुमार सिंह बिलासपुर, राजेश सेठ बिलासपुर,अजय सारंगी बिलासपुर, रवि मिश्रा बिलासपुर, कमल गनियारी एवं रुद्र प्रताप सिंह बिलासपुर रहे।

यात्रा के दौरान अनुभव मिला जिसमें मुख्य रूप से छत्तीसगढ़ बोल बम कल्याण संघ के बारे में जानकारी प्राप्त हुआ। कल्याण संघ के जिला अध्यक्ष अजय चक्रधारी एवं उसके साथी ब्लॉक अध्यक्ष प्रेम नगर श्याम सुंदर जायसवाल निशुल्क सेवा प्रदान कर रहे हैं। अजय चक्रधारी मुख्य चिकित्सा के रूप में निशुल्क सेवा प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने उस संस्था के संस्थापक पवन अग्रवाल से बातचीत कराया। भारत भास्कर के स्थानीय संपादक राधेश्याम कोरी उनसे बातचीत कर छत्तीसगढ़ बोल बम कल्याण संघ के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त किया। पवन अग्रवाल एक ऐसे असाधारण व्यक्ति है जिन्होंने बोल बम कल्याण संघ के लिए भूमि दान किया है। उन्होंने अपनी शुरुआत कांवर यात्रा 1984 से प्रारंभ किया अभी तक उन्होंने 40 वर्ष में 52 कावड़ जल चढ़ा चुके हैं। यात्रा के दौरान उन्होंने सुल्तानगंज से देवघर के बीच छत्तीसगढ़ के कोई भी धर्मशाला कैंप देखने को नहीं मिला तब से उनके मन में ख्याल आया छत्तीसगढ़ का भी कैंप लगना चाहिए ऐसा उनके मन में एक सोच उत्पन्न हुआ और उन्होंने 2004 से छत्तीसगढ़ बोल बम कल्याण संघ का निर्माण शुरू किया। आज 2024 में उनका एक मंजिला भवन बनकर तैयार है। पैदल कांवड़ यात्री के लिए संपूर्ण सुख सुविधा के साथ जो 105 किलोमीटर पैदल चलकर जलाभिषेक करते हैं उनके लिए निशुल्क चाय, नाश्ता, भोजन, स्वास्थ्य सुविधा एवं रहने की उत्तम व्यवस्था प्रदान किया है। सुल्तानगंज से देवघर की बीच हमें और ऐसी सुविधा युक्त धर्मशाला कहीं नहीं दिखाई दिया।

छत्तीसगढ़ का गौरव- सुल्तानगंज से देवघर के बीच जितने भी ट्रस्ट, समिति चल रहा है जिसमें छत्तीसगढ़ बोल बम कल्याण संघ के संस्थापक सदस्य पवन अग्रवाल इन सभी महासंघ का वर्तमान अध्यक्ष पथ पर आसीन है यह हम छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है।

छग श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ कि अहम भूमिका- छत्तीसगढ़ बोल बम कल्याण संघ के साथ छ.ग.श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ सूरजपुर का अनोखा समागम देखने को मिला जिन्होंने पैदल कांवड़ियों का निशुल्क स्वास्थ्य सेवा दे रहे हैं। सूरजपुर जिला अध्यक्ष अजय चक्रधारी मुख्य चिकित्सा के रूप में निशुल्क सेवा प्रदान कर रहे हैं। वहीं श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ के ब्लॉक अध्यक्ष श्याम सुंदर जायसवाल भी निशुल्क सेवा प्रदान कर रहे हैं।

क्या कहते हैं अध्यक्ष घनश्याम दास अग्रवाल- लगातार एक माह तक चलने वाले श्रावणी मेले में शामिल श्रद्धालुओं की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, इस दौरान कांवरियों का विभिन्न दल सुल्तानगंज से गंगाजल भरकर 105 कि.मी. की कठिन यात्रा पैदल तय कर बैधनाथ धाम के मंदिर पहुंचते है और बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं । इस मेले में सुल्तानगंज से देवघर तक की छटा निराली होती है। ऐसा प्रतीत होता है कि मानो गेरुवां वस्त्रधारी शिवभक्तों की अविरल धारा के रूप में गंगा स्वयं शिवधाम तक आ रही है। इस दौरान बाबा की नगरी का हर कोना केसरिया रंग बोलबम डाकबम और जय भोले के उद्घोष से गूंज उठता है । अनादि काल से चला आ रहा मेला इन दिनों शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के विभिन्न पहलुओं को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम भी है। इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता अनेकता में एकता का संगम है। कांवरियों के दल के बीच में किसी तरह का भेदभाव नहीं होता । विभिन्न प्रान्तों एवं समुदाय के लोग जिस प्रकार एक साथ इस धार्मिक यात्रा की दूरी तय करते हैं वह भारतीय संस्कृति को दर्शाता है। इस मेले में जो शिव भक्त कांवरियों की सेवा करने का सुअवसर पाते हैं वे सभी साधुवाद के पात्र हैं ।

आप श्री के सहयोग से एवं पवन अग्रवाल द्वारा दी गई दान की भूमि पर धर्मशाला का भूतल एवं प्रथम तल का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है।

छत्तीसगढ़ बोल बम कल्याण संघ में प्रमुख रूप से संघ का संस्थापक पवन अग्रवाल, अध्यक्ष घनश्याम दास अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, व्यवस्थापक संजय अग्रवाल, सदस्य श्याम सुंदर जायसवाल, सदस्य पुखराज जैन, सदस्य संजय गोयल हैं।

सार-समाचार

थाना सिमगा पुलिस स्टाफने दिया मानवता का परिचय

मोटरसाइकिल सड़क दुर्घटना में घायल हुए लोगों को फर्स्ट एड बॉक्स से मौके पर ही प्रारंभिक इलाज कर किया, उन्हें अस्पताल के लिए रवाना

चंद्रप्रकाश टोंडे : दिनांक 30.07.2024 को दोपहर के समय थाना सिमगा में पदस्थ प्रधान आरक्षक दिनेश जांगडे एवं आरक्षक चंद्रिका प्रसाद वर्मा कानून व्यवस्था ड्यूटी में ग्राम मर्राकोना की ओर जा रहे थे, कि इसी बीच पुल के पास एक मोटरसाइकिल मैं बैठे कुछ लोग अचानक से मार्ग में मवेशी आ जाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इस दौरान मोटरसाइकिल में एक बुजुर्ग महिला के साथ कुल 03 लोग सवार थे, जिन्हें हांथ एवं पैर में चोंटे आई थी तथा चोंट से खून भी निकल रहा था। यह स्थिति देख दोनों पुलिस स्टाफ तुरंत मौके पर पहुंचे एवं अपने पास रखे हुए फर्स्ट एड बॉक्स में उपलब्ध चिकित्सा संसाधनों से तीनों घायलों का प्रारंभिक इलाज किया एवं मरहम पट्टी किया। तत्पश्चात तीनों घायलों को तुरंत उचित इलाज हेतु अस्पताल जाने की हिदायत देकर रवाना किया गया।

भारत के सात तटवर्ती राज्यों में 34,000 से अधिक लोगों को सशक्त बनाने वाली 'मैजिकल मैंग्रोव मुहिम'

नईदिल्ली। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का संगठन गोदरेज एंड बॉयस एयरोस्पेस और कंज्यूमर डयूरेबल्सस से लेकर एनर्जी एवं स्थागयी निर्माण समाधानों के उपभोक्ता और औद्योगिक कारोबार में शामिल है। संगठन ने मैंग्रोव ईकोसिस्ट म के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया के साथ मिलकर अपने मैजिकल मैंग्रोव मुहिम के पांचवें फेज की घोषणा की है। 2020 में शुरू की गई इस पहल में 190 वालंटियर ने भाग लिया है और इसने 460 से अधिक वेबिनार, ऑन-ग्राउंड पहल और सोशल मीडिया मुहिमों के जरिये 7 राज्यों में 34,630 लोगों को सशक्त बनाया है। यह पहल पर्यावरण की सुरक्षा एवं बॉयोडाइवर्सिटी संरक्षण के प्रति गोदरेज एंड बॉयस की कटिबद्धता को दिखाती है। संगठन 30 से अधिक वर्षों से मुंबई में विक्रोली और ठाणे क्रीक तटरेखा के आसपास स्थित सैकड़ों एकड़ मैंग्रोव का संरक्षण कर रहा है। मैजिकल मैंग्रोव मुहिम ने मैंग्रोव ईकोसिस्टएम के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वसपूर्ण भूमिका निभाई है। शैक्षिक वर्कशॉप, इंटरैक्टिव क्विज़ और नेचर ट्रेल्स की एक सीरीज के जरिये इस पहल ने स्थानीय लोगों को इसमें जोड़ा है और तटीय संरक्षण और बॉयोडाइवर्सिटी सपोर्ट में मैंग्रोव की भूमिका के बारे में जानकारी देकर उनका ज्ञानवर्धन किया है।

वॉल्वो सीई ने नया 'बिल्ट फॉर भारत' ईसी210 हाईड्रॉलिक एक्सकेवेटर पेश किया

रायपुरः वॉल्वो कंस्ट्रक्शन ईक्विपमेंट (वॉल्वो सीई इंडिया) ने आज 'बिल्ट फॉर भारत' 20-टन एक्सकेवेटर, नया ईसी 210 पेश किया। यह एक्सकेवेटर बढ़ते हुए भारतीय सीई (कंस्ट्रक्शन ईक्विपमेंट) बाजार में इनोवेटिव और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी वाले समाधान प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, जो देश में ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से डिज़ाईन किए गए हों। ईसी210 एक्सकेवेटर में अनेक विशेषताओं के साथ बेहतर परफॉर्मेंस और शानदार फ्यूल एफिशियंसी भी मिलती है। इस नए एक्सकेवेटर का अनावरण आज अनिरबन बनर्जी, हेड, अपटाईम एवं पार्ट्स, वॉल्वो सीई इंडिया ने पश्चिमी क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं की मौजूदगी में किया। ईसी210 के लॉन्च के साथ वॉल्वो सीई ने नया ब्रांड कैम्पेन, ''करो ज्यादा की उम्मीद'' भी पेश किया। इस कैम्पेन में मुख्य फिल्म के माध्यम से ज्यादा की इच्छा रखने, उत्कृष्टता की कोशिश करते रहने और सीमाओं को आगे बढ़ाते रहने की मानवीय मानसिकता को दिखाया गया है। इसमें ज्यादा परफॉर्मेंस, ज्यादा वैल्यू, ज्यादा सेविंग्स और ज्यादा अपटाईम के 4 मुख्य गुणों के साथ ईसी210 का मुख्य प्रस्ताव पेश किया गया है। वॉल्वो सीई इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, डिमिट्रोव कृष्णन ने कहा, ''छत्तीसगढ़ में अपने महत्वपूर्ण भूगोल और विकसित होते इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरतों के कारण रायपुर वॉल्वो सीई के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। 150 ग्राहकों और फाईनेंसर्स की मौजूदगी में ऑल-न्यू ईसी210 एक्सकेवेटर के लॉन्च से रायपुर के विकास की ओर हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। रायपुर, राजगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जगदलपुर, और राजनांदगाँव में रेंटल, स्टील प्लांट, फ्लाई एश हैंडलिंग, औद्योगिक मेंटेनेंस, स्लैग हैंडलिंग, सड़क निर्माण, और क्वैरी ऑपरेशंस में बड़े अनुप्रयोगों के साथ ईसी210 को विभिन्न परियोजनाओं की मांगों को प्रभावशाली तरीके से पूरा करने के लिए अनुकूलित किया गया है।

हिंदुस्तान जिंक ने एशिया का पहला लो कार्बन 'ग्रीन' जिंक इकोजेन किया लॉन्च

मुंबई। देश की सबसे बड़ी और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपना लो कार्बन ग्रीन जिंक ब्रांड इकोजेन लॉन्च किया। एसएंडपी ग्लोबल सीएसए के अनुसार विश्व की सबसे सस्टेनेबल धातु और खनन कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त यह कंपनी एशिया की पहली जिंक उत्पादक है जिसने दुनिया भर में अपने ग्राहकों के लिए अपनी तरह का पहला लो कार्बन ग्रीन जिंक ऑफर किया है। इकोजेन को एक प्रसिद्ध वैश्विक स्थिरता परामर्श फर्म द्वारा जीवन चक्र मूल्यांकन, एलसीए के माध्यम से लो-कार्बन जिंक के रूप में प्रमाणित किया गया है और इसका कार्बन फुटप्रिंट प्रति टन उत्पादित जिंक पर एक टन से भी कम कार्बन समतुल्य है, जो वैश्विक औसत से 75 प्रतिशत कम है। जिंक का प्राथमिक अनुप्रयोग स्टील को जंग से बचाने के लिए गैल्वनाइजेशन के लिए है स्टील, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोटिव और सनराइज सेक्टर जैसे अक्षय ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, हाई-टेक विनिर्माण, ऊर्जा भंडारण, रक्षा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। इकोजेन हिंदुस्तान जिंक की अपने परिचालन को डीकार्बोनाइज करने के साथ-साथ अपने ग्राहकों को एक बेजोड़ प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि बदले में अपने ग्राहकों को अधिक सस्टेनेबल विकल्प प्रदान किए जा सकें। इस नवीनतम पेशकश से हिंदुस्तान जिंक के इकोजेन के साथ एक टन स्टील को गैल्वनाइज करने में उनकी मूल्य श्रृंखला में लगभग 400 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन से बचाव होगा।

मुख्यमंत्री शासकीय अस्पताल रूपांतरण कोष की अधिशासी समिति की बैठक

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों से क्षेत्र को लगातार मिल रही है सौगातें

राजीव वर्मा/ एमसीबी-भारत भास्कर--मुख्यमंत्री शासकीय अस्पताल रूपांतरण कोष की अधिशासी समिति की बैठक में मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के स्वास्थ्य केन्द्रों में विभिन्न निर्माण और उन्नयन कार्यों के लिए कुल 24 करोड़ 14 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

इन कार्यों में 1 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत से मनेन्द्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य, 84 लाख रुपये की लागत से खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रतनपुर में 2 एफटाइप स्टाफक्वार्टर का निर्माण कार्य , खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में 62 लाख रूपए की लागत से 2 जी टाइप स्टाफ क्वार्टर का निर्माण कार्य, खड़गवां सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चिरमिरी में 1 करोड़ 68 लाख रूपए की लागत से ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य, भरतपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, जनकपुर में 1 करोड़ 68 लाख रूपए की लागत से ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, केल्हारी में 24 लाख 54 हजार रूपए की लागत से बाउंड्रीवाल का निर्माण कार्य शामिल है।

इसी प्रकार खड़गवां प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, रतनपुर में 41 लाख 34 हजार रुपये की लागत से बाउंड्रीवाल, रोड पेवर ब्लॉक और ए.सी.पी. का कार्य, जनकपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 8 लाख 93 हजार रूपए की लागत से रोड पेवर ब्लॉक का कार्य, मनेन्द्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 40 लाख रूपए की लागत से अतिरिक्त 30 बिस्तरों का महिला और पुरुष वार्ड का निर्माण कार्य, जिला अस्पताल चिरमिरी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरमिरी) में 50 लाख रुपये की लागत से फिजियोथेरपी यूनिट की स्थापना (निर्माण और उपकरण) , जिला अस्पताल, चिरमिरी (चिरमिरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र) में 8 करोड़ रूपए की लागत से 64 स्लाइस सी.टी. स्कैन मशीन की खरीदी, मनेन्द्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र / प्रस्तावित 220 बिस्तरीय अस्पताल में 8 करोड़ रूपए की लागत से 64 स्लाइस सी.टी. स्कैन मशीन की खरीदी, मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी, जनकपुर और खड़गवां सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रत्येक केन्द्र के लिए कुल लागत 24 लाख रूपए से 2 डेड बॉडी फ्रीजर (कुल 8) का खरीदी कार्य शामिल है।

लायंस क्लब चिरमिरी द्वारा मनाया गया सावन उत्सव

राजीव वर्मा/ एमसीबी-भारत भास्कर- लायंस क्लब चिरमिरी वरदान द्वारा सावन उत्सव का कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया गया । क्लब के सभी सदस्य हरे परिधानों में सोलह श्रृंगार कर उत्साह के साथ सम्मिलित हुए ।सावन महीने के इस महोत्सव में महिलाओं ने अपने आपको संस्कृति और परंपरागत मूल्यों के माध्यम से जोड़कर एक साथ बंधन बनाया। इस खास अवसर पर महिला सदस्यों ने भारतीय संगीत और नृत्य का आनंद उठाया और आपसी मित्रता का पर्याय दिखाया। सभी महिलाएं एकजुट होकर संगीत और नृत्य के माध्यम से अपनी रचनात्मकता और कला को प्रकट किया।

इस महोत्सव के आयोजन में नारी सशक्तिकरण की छाप भी दिखाई दी- सावन सुंदरी मुनमुन जैन , रश्मीत छाबड़ा , संध्या केसरवानी चुनी गईं । सभी सदस्यों ने मिलकर वृक्षारोपण कर एक पेड़ मां के नाम लगाने का निश्चय किया । सावन का झूला झूलकर गेम्स व विविध व्यंजनों के आयोजन में कमला गढ़देवा , अंजू गुप्ता का विशेष सहयोग रहा ।महिला सदस्यों ने कहा कि सावन में हरियाली और जीवन में खुशियों का संदेश देता है। साथ ही सावन का महीना का सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व है।

कार्यक्रम में मुनमुन जैन , सुमन अग्रवाल , पायल ठाकुर , अंजना जायसवाल , सुजाता भारद्वाज , ललिता जायसवाल , स्पिता चक्रवर्ती , देवयानी चक्रवर्ती , संध्या केसरवानी , कमला गढ़देवा, अंजू गुप्ता , प्रतिमा डेहरिया , रश्मीत छाबड़ा , काकुली रॉय , मुक्ता रॉय , रीना रजक , सुनीता सोनी , संतोषी पांडेय , प्रीति अग्रहरी , जिगना जेठवा , डॉ शालिनी सोनी , लक्ष्मी महोबिया , शिल्पी श्वेता सिंग , रजनी प्रजापति , बीना डे , भारती गुप्ता उपस्थित रही।

भारत में Galaxy AI पावर्ड Galaxy Z Fold6 और Z Flip6 को शानदार रिस्पॉन्स मिला

गुरुग्रामः भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज घोषणा की कि जो ग्राहक भारत में Galaxy Z Fold6 और Galaxy Z Flip6 के लिए प्री-बुकिंग कर चुके हैं, उन्हें समय से पहले डिलीवरी मिलेगी। Galaxy Z Fold6 और Galaxy Z Flip6 ने पिछले फोल्डेबल फोन्स की तुलना में सिर्फ 24 घंटों में 40% ज्यादा प्री-ऑर्डर हासिल किए हैं। Galaxy Z Fold6 और Z Flip6 के लिए प्री-ऑर्डर भारत और बाकी दुनिया में 10 जुलाई को शुरू हुए। ये नए स्मार्टफोन 24 जुलाई, 2024 से भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे, साथ ही हाल ही में लॉन्च किए गए अन्य डिवाइस - गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा, गैलेक्सी वॉच7, गैलेक्सी बड्स3 प्रो और गैलेक्सी बड्स3 भी मिलेंगे।

न्यूज़18 इंडिया की डायमंड स्टेट्स समिट सीरीज़ का दूसरा सत्र रायपुर में, मुख्यमंत्री साय राज्य की उपलब्धियों पर करेंगे बात

रायपुरः मध्य प्रदेश में न्यूज़18 इंडिया डायमंड स्टेट्स समिट की जबरदस्त सफलता के बाद, न्यूज़18 इंडिया 31 जुलाई को रायपुर में होने वाले डायमंड स्टेट्स समिट छत्तीसगढ़ के लिए पूरी तरह तैयार है। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र की महत्वपूर्ण उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना और राष्ट्रीय विकास में राज्य के योगदान पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। डायमंड स्टेट्स समिट छत्तीसगढ़ का उद्देश्य एक ऐसा मंच तैयार करना है, जहां विभिन्न क्षेत्रों के नेतृत्वकर्ताओं को एक साथ लाया जाए, ताकि छत्तीसगढ़ के विकासात्मक एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके और भारत की व्यापक विकास गाथा में इसकी भूमिका को सुदृढ़ किया जा सके। शिखर सम्मेलन में कई प्रतिष्ठित वक्ता शामिल होंगे, जिनमें प्रमुख सरकारी अधिकारी और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियाँ शामिल होंगी। विशिष्ट अतिथियों में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव, छत्तीसगढ़ के वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप, छत्तीसगढ़ की महिला और बाल विकास मंत्री श्रीमति लक्ष्मी राजवाड़े, भारतीय सिनेमा में अपने प्रभावशाली योगदान के लिए जाने जाने वाले प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक श्री अनुराग बसु और क्रिकेटर श्री अजय मंडल शामिल हैं। वॉल्वो सीई इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, डिमिट्रोव कृष्णन ने कहा, ''छत्तीसगढ़ में अपने महत्वपूर्ण भूगोल और विकसित होते इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरूरतों के कारण रायपुर वॉल्वो सीई के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है।

बम बम भोले के जयकारों के बीच आठ श्रद्धालु का जत्था रवाना

बेलतरा से अमरनाथ यात्रा (बाबा बर्फानी) का दर्शन के लिए पहला जत्था रवाना

भारत भास्कर से राधेश्याम कोरी की खास रिपोर्ट...

बिलासपुरः- जम्मू-कश्मीर स्थित अमरनाथ यात्रा (बाबा बर्फानी) आषाढ़ पूर्णिमा से शुरू होने वाली बाबा अमरनाथ की यात्रा श्रावण पूर्णिमा 55 दिन तक चलेगी। अमरनाथ यात्रा बहुत ?कठिन होती है, जिसके लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कभी बारिश तो कभी बर्फ का मौसम हर कदम पर भक्तों की परीक्षा लेता है, लेकिन इन सब कठिनाइयों के बाद भी भक्त पूरे जोश से बाबा बर्फानी के दर्शन करने पहुंचते हैं और बाबा के चमत्कार के साक्षी बनते हैं।

वहीं बतादें अमरनाथ यात्रा के लिए बेलतरा से शिवभक्तों का पहला जत्था जम्मू के मां भगवती शिविर से पहलगाम के लिए रवाना हुए हैं। दर्शन के उपरांत बालटाल से वापस होते हुए मां वैष्णो देवी के दर्शन उपरांत वापसी होगी। बेलतरा के शिव भक्तों ने बताया कि अमरनाथ की यात्रा आषाढ़ मास की पूर्णिमा से शुरू होती है और सावन की पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन के दिन समापन होगा। हिंदू पौराणिक मान्यता के अनुसार, यह वह पवित्र गुफा है जहां पर भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व की कहानी के बारे में बताया था। पौराणिक ग्रंथों की मान्यता है कि जो भक्त इस पवित्र गुफा में बने बर्फ के शिवलिंग यानी बाबा बर्फानी का दर्शन करता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मृत्यु के बाद मोक्ष मिलता है। साथ ही ऐसा भी कहा जाता है कि इस पवित्र धाम की यात्रा से 23 तीर्थों के दर्शन करने के बराबर पुण्य मिलता है।

अनंतनाग जिला अमरनाथ पर्वत पर स्थित अमरनाथजी गुफा के लिए प्रसिद्ध है, जिसकी समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 5,486 मीटर है। अमरनाथजी का विश्व प्रसिद्ध मंदिर पहलगाम से लगभग 48 किलोमीटर दूर स्थित है। और पूरे भारत से भक्तों को आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से लगभग 13,000 फीट की ऊंचाई पर अनंतनाग जिले के ऊपरी इलाकों में स्थित है।

मंगलवार को ग्राम बेलतरा से शिव भक्त रवाना हुए जिसमें मनीष सोनी, शेखर कश्यप, प्रदीप कश्यप, राजू ठाकुर, गणेश साहू, दीपक जायसवाल, चिंटू कश्यप, विनोद धीवर एवं अमित गुप्ता हैं।

गोल्डमें आई सबसे बड़ी गिरावट से लोगों को हुआ नुकसान

डूब गए 11 लाख करोड़

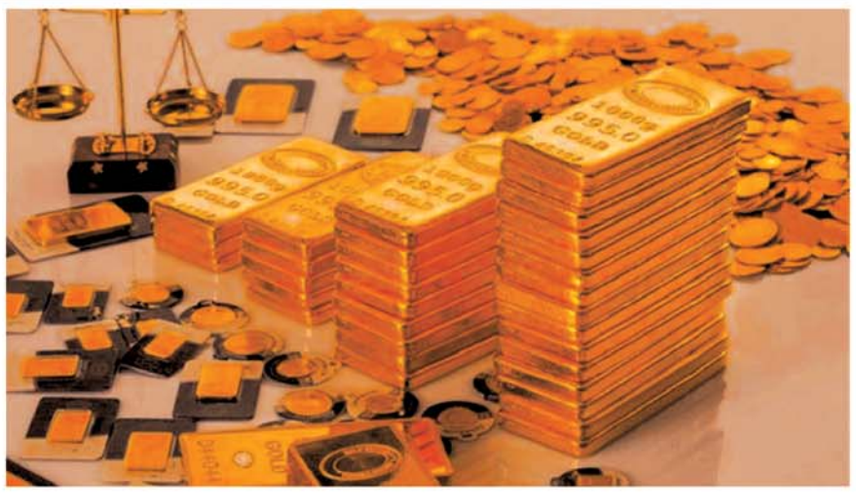

बिजनेस डेस्कः बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के गोल्ड पर कस्टम ड्यूटी घटाने के ऐलान के साथ ही, सोने की कीमतों में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इससे देश के आम लोगों की बचत की वैल्यू में करीब 11 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई है। अगर इसकी तुलना शेयर बाजार से करें, तो यह स्टॉक मार्केट के इतिहास में एक दिन में आई अबतक की छठी सबसे बड़ी गिरावट है।

इस गिरावट का सीधा असर देश के लाखों परिवारों पर पड़ा है। ऐसा इसलिए क्योंकि सोना रखने वाले परिवारों की संख्या शेयर बाजार में निवेश करने वालों की तुलना में कहीं ज्यादा है। भारत में लोग खासकर के मिडिल क्लास परिवार शेयर बाजार से ज्यादा सोने में निवेश करते हैं। देश की मां और बहनों के पास हाउसहोल्ड सेविंग के नाम भारत में कुल इतना सोने का भंडार मौजूद है, जितना भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी नहीं है। भारतीय परिवारों के पास दुनिया का सबसे बड़ा सोने का भंडार है। एक आंकड़े के मुताबिक, दुनिया के कुल सोने का लगभग 11 प्रतिशत भारतीय परिवारों के पास है। यह अमेरिका, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और ढ्ढरूस्न के कुल गोल्ड रिजर्व से भी अधिक है।

सोने की कीमतें क्यों गिरीं?

इस साल की शुरुआत से ही सोने की कीमतें तेजी से बढ़ रही थीं। बजट से एक दिन पहले तक सोने की कीमतों में इस साल 14.7 फीसदी की तेजी आई थी जो सेंसेक्स के रिटर्न से भी ज्यादा थी लेकिन बजट में वित्त मंत्री ने सोने-चांदी पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को 10 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया। साथ ही इस पर लगने वाले एग्रीकल्चर सेस को 5 प्रतिशत से घटाकर 1 प्रतिशत कर दिया। इससे कुल मिलाकर सोने पर लगने वाले शुल्क अब पहले के 18.5 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत हो गया है, जिसमें त्रस्ञ्ज भी शामिल है।

बजट से पहले और बाद में सोने का भाव

बजट पेश होने से ठीक एक दिन पहले सोने के दाम देश में सोने के दाम 75,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थे जबकि बजट पेश होने के बाद 23 जुलाई को इसकी कीमत 71,200 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई। अगर इसकी तुलना शेयर मार्केट से की जाए, तो एक ही दिन में सोने की कीमतों में गिरावट से इंवेस्टर्स को 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

कीमतों में गिरावट का असर

सोने के दाम गिरने से सर्राफा व्यापारी खुश नहीं थे। उन्होंने अपने पास रखी सोने की होल्डिंग्स को बेचकर मुनाफा बुक करना शुरू कर दिया। इससे सोने के दाम में और गिरावट आई। गोल्ड लोन बांटने वाली कंपनियां भी इससे खुश नहीं थीं, क्योंकि इससे उनके लोन-टू-वैल्यू (स्ब्ञ्ज) रेशियो में कमी आने की आशंका है, जो उन्हें वित्तीय रूप से कमजोर कर सकती है।

ऐसे समझें

मान लेते हैं कि भारतीय परिवारों और मंदिरों में कुल मिलाकर 30,000 टन से अधिक सोना है। अब 22 जुलाई को इसके भाव के हिसाब से उस दिन इस सोने की कुल कीमत 218 लाख करोड़ रुपए बनती है। जबकि 23 जुलाई को भाव गिरने के बाद इतने सोने की कीमत 207 लाख करोड़ रुपए रह गई। ये सीधे-सीधे सोने की वैल्यू में 10 लाख करोड़ रुपए के नुकसान को दिखाता है। हालांकि बड़ी ज्वैलरी कंपनियों को इस कदम से लाभ हो सकता है। ट्रेडर्स लंबे समय से गोल्ड कस्टम ड्यूटी घटाने की मांग कर रहे थे और उनका कहना था कि इससे गोल्ड की तस्करी रुकेगी। सरकार के लिए भी गोल्ड की तस्करी में कमी आना एक अच्छी खबर है क्योंकि उसके रेवेन्यू का नुकसान कम होगा।

सोने की कीमतें कब बढ़ेंगी?

रिलायंस सिक्योरिटीज के सीनियर कमोडिटी एनालिस्ट, जिगर त्रिवेदी ने बताया कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी, फेस्टिव सीजन के दौरान मांग, भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और केंद्रीय बैंक की नीतियों जैसे कुछ ऐसे कारण हैं, जो गोल्ड के दाम को फिर से बढ़ा सकते हैं। ऐसे में निवेशकों को इन पर नजर रखना चाहिए।

भारत को 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की जरूरतः नीति दस्तावेज

नयी दिल्ली । भारत को 2047 तक 18,000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति आय के साथ 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में प्रयास करने की जरूरत है। वर्ष 2047 में विकसित भारत के लिए दृष्टिकोण पत्र में यह बात कही गई है। नीति आयोग ने '2047 में विकसित भारत के लिए सोच- एक दृष्टिकोण पत्र' शीर्षक वाले एक पत्र में कहा कि भारत को मध्यम आय के जाल से बचने और इससे बाहर निकलने की दिशा में सावधानी के साथ काम करने की जरूरत है। इसके मुताबिक, ''एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए हमें 2047 तक 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का प्रयास करना होगा, जिसमें प्रति व्यक्ति आय 18,000 अमेरिकी डॉलर सालाना हो।'' दृष्टिकोण पत्र के मुताबिक, ''सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को आज के 3,360 अरब अमेरिकी डॉलर से नौ गुना और प्रति व्यक्ति आय को आज के 2,392 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से आठ गुना बढ़ाना होगा।'' इसमें यह भी कहा गया है कि मध्यम आय से उच्च आय स्तर तक प्रगति करने के लिए 20-30 साल तक 7-10 प्रतिशत की सीमा में लगातार वृद्धि की जरूरत होगी और बहुत कम देश ऐसा करने में सफल रहे हैं। विकसित भारत की अवधारणा को परिभाषित करते हुए इस पत्र में कहा गया है कि यह एक ऐसा भारत होगा, जिसमें एक विकसित देश की सभी विशेषताएं होंगी और जिसकी प्रति व्यक्ति आय आज दुनिया के उच्च आय वाले देशों के बराबर होगी। यह एक ऐसा भारत होगा, जिसकी सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और संस्थागत विशेषताएं इसे एक समृद्ध विरासत वाले विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगी। विश्व बैंक के मुताबिक, जिन देशों की वार्षिक प्रति व्यक्ति आय 14,005 अमेरिकी डॉलर (2023 में) से अधिक है,

बजट ने राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत की गई प्रतिबद्धता को पूरा कियाः हरदीप सिंह पुरी

अहमदाबाद । केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस आरोप से इनकार किया कि केंद्रीय बजट आंध्र प्रदेश के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि इसमें केवल कांग्रेस शासन के दौरान पारित राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत की गई प्रतिबद्धता को पूरा किया गया है। वह यहां गुजरात भाजपा द्वारा बजट पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में बोल रहे थे। पुरी से विपक्ष के इस आरोप के बारे में पूछा गया था कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश बजट से केवल बिहार और आंध्र प्रदेश को फायदा हुआ है।

जो केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के प्रमुख सहयोगी- जद (यू) और तेदेपा द्वारा शासित राज्य हैं। उन्होंने कहा, ÷उनसे पूछिए कि राज्य पुनर्गठन अधिनियम पर किसने हस्ताक्षर किए थे....यह कांग्रेस सरकार थी। यह आपकी प्रतिबद्धता है। हम आपकी प्रतिबद्धता को पूरा कर रहे हैं।÷ वर्ष 2014 के अधिनियम द्वारा तत्कालीन आंध्र प्रदेश को विभाजित कर तेलंगाना नामक नया राज्य बनाया गया। पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी मुंबई यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के लिए एक लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की, जिसमें 76,000 करोड़ रुपये की बंदरगाह परियोजना भी शामिल है, जिससे 10 लाख नौकरियां पैदा होंगी। मंत्री ने कहा कि बजट का लक्ष्य 'पूर्वोदय' है, जिससे न केवल बिहार बल्कि पश्चिम बंगाल और ओडिशा को भी लाभ होगा। उन्होंने कहा कि आपदा न्यूनीकरण के लिए हिमाचल प्रदेश को 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

UltraTech 3,954 करोड़ रुपये में इंडिया सीमेंट में 32.72 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदेगी

नयी दिल्ली । प्रमुख सीमेंट विनिर्माता अल्ट्राटेक 3,954 करोड़ रुपये में इंडिया सीमेंट लिमिटेड में 32.72 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदेगी। अल्ट्राटेक ने रविवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। आदित्य बिड़ला समूह की अल्ट्राटेक सीमेंट यह सौदा अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और तेजी से बढ़ते दक्षिणी सीमेंट बाजार, विशेष रूप से तमिलनाडु में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए करेगी। इसके अलावा, अल्ट्राटेक ने इंडिया सीमेंट्स लिमिटेड (आईसीएल) में उसके शेयरधारकों से 26 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए 3,142.35 करोड़ रुपये की खुली पेशकश की भी घोषणा की है। लगभग एक महीने पहले, दूसरे सबसे बड़े सीमेंट निर्माता अदाणी समूह ने हैदराबाद स्थित पेन्ना सीमेंट का 10,422 करोड़ रुपये में अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। उससे कंपनी की क्षमता में 1.4 करोड़ टन प्रति वर्ष की वृद्धि होगी, जिससे इसकी क्षमता 9.3 करोड़ टन प्रति वर्ष हो जाएगी। ग्रे सीमेंट की 15.48 करोड़ टन प्रति वर्ष की स्थापित क्षमता के साथ, अल्ट्राटेक सीमेंट भारतीय सीमेंट उद्योग में सबसे ऊपर है।

आम आदमी को लग सकता है महंगाई का झटका, सरकार जल्द बढ़ा सकती है चीनी के दाम

नेशनल डेस्कः

आम आदमी को आने वाले दिनों में महंगाई का एक और झटका लग सकता है। केंद्र सरकार जल्द ही चीनी के दामों में बढ़ोतरी कर सकती है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि सरकार अगले कुछ दिनों में चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एम.एस.पी.) में बढ़ौतरी पर फैसला ले सकती है। ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन (ए.आई.एस.टी.ए.) के एक सम्मेलन में उन्होंने कहा, %%हम एम.एस.पी. प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे हैं। आने वाले दिनों में उम्मीद करते हैं कि हम कोई फैसला लेंगे।%% गन्ना किसानों को दिए जाने वाले उचित और लाभकारी मूल्य (एफ.आर.पी.) में वार्षिक बढ़ौतरी के बावजूद चीनी का एम.एस.पी. 2019 से 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर बना हुआ है। सरकार के इस फैसले के बाद मिठाई से लेकर मीठे पकवान तक महंगे हो सकते हैं। दरअसल, इस साल अक्टूबर-नवंबर में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने हैं। महाराष्ट्र के विदर्भ गन्ना क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी 25 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिसमें से 10 सीटों पर ही जीत मिली थी। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 23 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और पंजाब के किसानों को भी बड़ा लाभ हो सकता है। नेशनल फैडरेशन ऑफ कोऑप्रेटिव शुगर फैक्टरीज (एन.एफ.सी.एस.एफ.) सहित उद्योग निकायों ने सरकार से बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को संचालन बनाए रखने में मदद करने के लिए एम.एस.पी. को कम से कम 42 रुपए प्रति किलोग्राम तक बढ़ाने का आग्रह किया है। चोपड़ा ने कहा कि 2024-25 सत्र (अक्तूबर-सितंबर) के लिए चीनी उत्पादन आशाजनक दिख रहा है, जिसमें पिछले साल की समान अवधि के 57 लाख हैक्टेयर से बढ़कर अब तक 58 लाख हैक्टेयर तक गन्ने की बुवाई हो चुकी है।

ट्रंप ने अमेरिका को बिटकॉइन सुपरपावर बनाने का किया वादा, क्रिप्टो सलाहकार परिषद स्थापित करने की घोषणा की

बिज़नेस डायरी

ट्रंप ने इसकी भी चेतावनी दी कि अगर उप राष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति बनती है तो बिटकॉइन निवेशकों को कुचल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे (डेमोक्रेटिक) आपका गला घोंटना चाहते हैं। वे आपको व्यवसाय से बाहर करना चाहते हैं। हम ऐसा होने नहीं देंगे। अमेरिका में इस साल नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव होना है। राष्ट्रपति जो बाइडन इस दौड़ से बाहर हो चुके हैं। जो बाइडन की जगह डेमोक्रेटिक ने अब उप राष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार के तौर पर उतारा। राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में कमला हैरिस की एंट्री के बाद से मुकाबला कड़ा हो गया। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को बिटकॉइन सुपरपावर बनाने का वादा किया। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह व्हाइट हाउस में दोबारा लौटे तो पूरे उद्योग के लाभ के लिए पारदर्शी नियामक मार्गदर्शन तैयार करने के लिए एक सलाहकार परिषद नियुक्त करेंगे। हालांकि, उन्होंने डिजिटल मुद्रा के औपचारिक संघीय रिजर्व का प्रस्ताव देने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने शनिवार को बिटकॉइन सम्मेलन को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के अध्यक्ष गैरी जेन्सलर को बर्खास्त करने और रणनीतिक राष्ट्रीय बिटकॉइन भंडार बनाने का वादा किया। 78 वर्षीय ट्रंप ने कहा, मैं यह सुनिश्चित करने के लिए योजना बना रहा हूं कि अमेरिका ग्रह की क्रिप्टो राजधानी और दुनिया की बिटकॉइन महाशक्ति होगा। बता दें कि बिटकॉइन दुनिया की व्यापक रूपसे अपनाई जाने वाली पहली क्रिप्टोकरेंसी है।

ट्रंप ने कमला हैरिस को लेकर दी चेतावनी

ट्रंप ने इसकी भी चेतावनी दी कि अगर उप राष्ट्रपति कमला हैरिस राष्ट्रपति बनती है तो बिटकॉइन निवेशकों को कुचल दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ५वे (डेमोक्रेटिक) आपका गला घोंटना चाहते हैं। वे आपको व्यवसाय से बाहर करना चाहते हैं। हम ऐसा होने नहीं देंगे। और अब आपकी सरकार बिटकॉइन से जुड़ी नौकरियों और व्यवसायों को दूसरे देशों में भागते हुए चुपचाप देखती नहीं रहेगी, क्योंकि अमेरिका के कानून बहुत सख्त हैं। हम अमेरिका में सभी बिटकॉइन नौकरियां रखेंगे। डोनाल्ड ट्रंप वार्षिक क्रिप्टोकरेंसी कॉन्फ्रेंसी को संबोधित करने वाले प्रमुख पार्टी उम्मीदवार हैं। उन्होंने बिटकॉइन और क्रिप्टो राष्ट्रपति सलाहकार परिषद स्थापित करने का वादा किया।

नियमों का उल्लंघन करने वाले तीन भुगतान प्रणाली संचालकों पर आरबीआई की कार्रवाई, लगाया लाखों का जुर्माना

बिजनेस डेस्क, आरबीआई के दिशानिर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए मनप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड पर 41.50 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा ओला फाइनेंस सर्विसेज पर 33.40 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भुगतान प्रणाली संचालकों (पीएसओ) वीजा वर्ल्डवाइड, ओला फाइनेंशियल सर्विसेज और मनप्पुरम फाइनेंस पर जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना, नियामक अनुपालन में खामियों को लेकर लगाया गया है। आरबीआई द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि केवाईसी (ग्रठ्ठश्2 ड्डश्ह्लह्र ष्टह्लह्लश्वद्गह्र) के वर्ष 2016 के दिशानिर्देशों के कुछ प्रावधानों का अनुपालन न करने के लिए मनप्पुरम फाइनेंस लिमिटेड पर 41.50 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा ओला फाइनेंस सर्विसेज पर 33.40 लाख का जुर्माना लगाया गया है। आदेश में आगे लिखा गया है कि प्रीपेड भुगतान उपकरण और बिना कार्ड के लेनदेन से जुड़े कुछ प्रावधानों के उल्लंघन के लिए दो भुगतान प्रणाली संचालकों (पीएसओ), ओला फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड और वीजा वर्ल्डवाइड पर भी जुर्माने के आदेश जारी किए गए हैं। बताया गया है कि इन दोनों पीएसओ ने प्रीपेड पेमेंट उपकरणों के इस्तेमाल के लिए जारी दिशा निर्देशों का उल्लंघन किया है। इसके अलावा बिना कार्ड के लेनदेन से जुड़े नियमों का भी उल्लंघन किया गया है।

मस्क ने जुकरबर्ग को फिर दी लड़ाई की चुनौती, बोले- किसी भी जगह, किसी भी वक्त लड़ लें

बिजनेस डेस्क, मस्क ने कहा कि मैं जुकरबर्ग से किसी भी जगह, किसी भी समय, किसी भी नियम के साथ लड़ूंगा। मस्क का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद जुकरबर्ग का बयान आया। उन्होंने कहा कि क्या हम वास्तव में ऐसा कर रहे हैं? टेक जगत के दो बड़े दिग्गज एलन मस्क और मार्क जुकरबर्ग के बीच एक बार फिर शब्दों की लड़ाई छिड़ गई है। अब मस्क ने मेटा के सीईओ से मार्क जुकरबर्ग से किसी भी जगह, किसी भी समय, किसी भी नियम के साथ लड़ने की बात कही है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया है। दरअसल अमेरिकी संसद में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भाषण कार्यक्रम के दौरान मस्क ने एक बार फिर मार्क जुकरबर्ग के खिलाफ प्रतिक्रिया की। मस्क ने कहा कि मैं जुकरबर्ग से किसी भी जगह, किसी भी समय, किसी भी नियम के साथ लड़ूंगा। मस्क का बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद जुकरबर्ग का बयान आया। उन्होंने कहा कि क्या हम वास्तव में ऐसा कर रहे हैं? वहीं दोनों टेक दिग्गजों के बीच फिर शुरू हुए शब्द वार को लेकर प्रतिक्रियाएं आने लगीं।

यूजर्स ने लिखा कि कोई जुक से पूछेगा तो वह यही कहेंगे कि मस्क गंभीर नहीं हैं। इसलिए इस पर चर्चा नहीं करनी चाहिए। एक यूजर ने लिखा कि ऐसा लग रहा है कि दोनों दिग्गज अपनी प्रतिद्वंद्विता को बढ़ा रहे हैं, लेकिन डिजिटल वर्चस्व की लड़ाई शारीरिक लड़ाई में बदल रही है। एक अन्य यूजर ने यह तक कहा कि मुझे लगता है कि दोनों गोपनीय तौर पर अच्छे दोस्त हैं।

पिछले साल केज फाइटिंग के लिए कहा था

मार्क जुकरबर्ग और एलन मस्क के बीच प्रतिस्पर्धा लगातार चर्चा में रही है। पिछले साल मस्क ने जुकरबर्ग को केज फाइटिंग के लिए चेताया था। मेटा के थ्रेड्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की लॉन्चिंग के बाद 52 वर्षीय मस्क और 39 वर्षीय जकरबर्ग के बीच सार्वजनिक प्रतिद्वंद्विता तेज हो गई। थ्रेड्स को लेकर कहा जा रहा है कि यह एक्स (पूर्व में ट्विटर) की कॉपी है। खास यह है कि मस्क ने चुनौती मेटा के एआई मॉडल के लिए जुकरबर्ग की प्रशंसा के अगले दिन आई है।

एनसीसीएफ सोमवार से Delhi-NCR में 60 रुपये किलो की दर से टमाटर बेचेगा

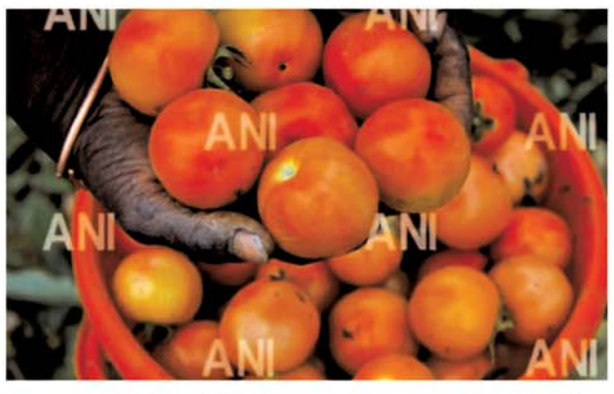

न्यूज नेटवर्क

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) सोमवार से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली क्षेत्र में 60 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर टमाटर बेचना शुरू करेगा। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब उत्पादक केंद्रों में हाल ही में हुई बारिश के कारण आपूर्ति में व्यवधान के कारण टमाटर की कीमतों में उछाल आया है।

नयी दिल्ली । टमाटर की बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) सोमवार से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली क्षेत्र में 60 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर टमाटर बेचना शुरू करेगा। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब उत्पादक केंद्रों में हाल ही में हुई बारिश के कारण आपूर्ति में व्यवधान के कारण टमाटर की कीमतों में उछाल आया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 27 जुलाई को दिल्ली में खुदरा टमाटर की कीमतें 77 रुपये प्रति किलोग्राम थीं, लेकिन गुणवत्ता और स्थानीयता के आधार पर कुछ क्षेत्रों में कीमतें 80 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई हैं।

एनसीसीएफ ने बयान में कहा, ÷यह सुविधा 29 जुलाई, 2024 को शुरू होगी और आने वाले दिनों में धीरे-धीरे दिल्ली-एनसीआर के अन्य स्थानों तक विस्तारित होगी।÷ संघ ने कहा, ÷सब्सिडी वाले टमाटर कृषि भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी कॉलोनी, हौज खास, संसद मार्ग, आईएनए मार्केट और नोएडा, रोहिणी और गुरुग्राम के कई इलाकों सहित विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध होंगे।÷ इस पहल का उद्देश्य बाजार को स्थिर करना और उपभोक्ताओं को लागत में पर्याप्त राहत प्रदान करना है।

सरकार ने साफ की स्थिति

विदेश यात्रा पर जाने से पहले टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट लेना अनिवार्य ?

बिजनेस डेस्क

23 जुलाई को जब वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया था। तभी उन्होंने बजट 2024-25 में टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए काला धन अधिनियम, 2015 का संदर्भ शामिल करने का प्रस्ताव किया था। भारत में रहने वाले लोगों के लिए विदेश यात्रा पर जाने से पहले सभी तरह के कर चुकाने होंगे और टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य करना होगा। इस तरह की कुछ भ्रामक खबरों पर सरकार ने स्थिति साफ की है। सरकार ने इस तरह की रिपोर्ट्स को भ्रामक बताते हुए कहा है कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 230 के तहत, प्रत्येक व्यक्ति को कर टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट हासिल करना आवश्यक नहीं है।

दरअसल, 23 जुलाई को जब वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश किया था। तभी उन्होंने बजट 2024-25 में टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए काला धन अधिनियम, 2015 का संदर्भ शामिल करने का प्रस्ताव किया था। जिसके बाद, इसे लेकर तमाम तरह की रिपोर्ट्स सामने आई और लोगों ने इसे लेकर नाराजगी भी जताई थी। इसके बाद आज सरकार ने टैक्स क्लीयरेंस सर्टिफिकेट पर अपना रुख साफ कर दिया है।

क्या कहा सरकार ने?

टैक्स क्लियरेंस सर्टिफिकेट को लेकर सरकार ने रविवार को कहा कि आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 230 के अनुसार, प्रत्येक व्यक्ति को कर टैक्स क्लियरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त करना आवश्यक नहीं है। यह केवल उन लोगों के लिए है जिन्हें लेकर ऐसी परिस्थितियां हों जो टैक्स क्लियरेंस सर्टिफिकेट को जरूरी बनाती हों, उनके लिए यह अनिवार्य है। सरकार ने कहा कि कोई ऐसा व्यक्ति जो गंभीर वित्तीय अनियमितताओं में शामिल है और आयकर अधिनियम या संपत्ति कर अधिनियम के तहत मामलों की जांच में उसकी उपस्थिति जरूरी है। साथ ही यह संभावना भी हो कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कर चुकाना बाकी होगा। इसके अलावा, कोई ऐसा व्यक्ति जिस पर 10 लाख रुपये से अधिक का प्रत्यक्ष कर बकाया हो, और जिस पर किसी प्राधिकरण द्वारा रोक नहीं लगाई गई हो, ऐसे लोगों को टैक्स क्लियरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य होगा। इसके साथ ही सीबीडीटी ने आज यह भी बताया कि किसी व्यक्ति को कारण दर्ज करने और प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त या मुख्य आयकर आयुक्त से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ही टैक्स क्लियरेंस सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए कहा जा सकता है।

क्या होता है ही टैक्स क्लियरेंस सर्टिफिकेट

गौरतलब है कि काला धन अधिनियम, 2015 सीबीडीटी द्वारा प्रशासित है। ऐसे में बजट में उन अधिनियमों की सूची में काला धन अधिनियम, 2015 का संदर्भ जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है, जिसके तहत किसी भी व्यक्ति को टैक्स क्लियरेंस सर्टिफिकेट पाने के लिए अपनी देनदारियों का भुगतान करना होगा। यह प्रमाणपत्र आयकर प्राधिकारी द्वारा जारी किया जाना आवश्यक है। इसमें यह कहा गया हो कि ऐसे व्यक्ति पर आयकर अधिनियम, या संपत्ति कर अधिनियम, 1957, या उपहार-कर अधिनियम, 1958, या व्यय- कर अधिनियम, 1987के तहत कोई देनदारी नहीं है।

जनसमस्या निवारण शिविरों में मिल रहे आवेदनों को निराकृत करने बनाएं प्रभावी व्यवस्था : अरुण साव

जन अपेक्षाओं के अनुरूप करें काम, समस्याओं के निदान के लिए व्यापक हित में बनाएं योजना

उप मुख्यमंत्री ने जनसमस्या निवारण पखवाड़ा की समीक्षा की, दिए आवश्यक निर्देश

आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शिविरों में सकारात्मक परिणाम के लिए दी बधाई

जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के पहले तीन दिनों में ही मिले 19598 आवेदन, 40 प्रतिशत आवेदन मौके पर ही निराकृत

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 30 जुलाई 2024 को उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आज वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों के साथ प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में 27 जुलाई से शुरू हुए जनसमस्या निवारण पखवाड़ा की समीक्षा की। उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक में सभी नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को जनसमस्या निवारण शिविरों में मिल रहे आवेदनों को निराकृत करने प्रभावी व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय निकायों के सभी विभागों के अधिकारियों को जन अपेक्षाओं के अनुरूप काम करने को कहा। उन्होंने शहरों की समस्याओं के निदान और जन सुविधाएं विकसित करने के लिए व्यापक हित में योजना बनाने के निर्देश दिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संचालक श्री कुंदन कुमार भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने बैठक में जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के तहत आयोजित वार्डवार शिविरों के सुचारु संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता के साथ लोगों के आवेदनों का त्वरित निराकरण करने को कहा। उन्होंने कहा कि हर वार्ड में आयोजित किए जा रहे शिविर आवेदन लेने का शिविर नहीं है। आवेदनों का तत्परता से निराकरण इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य है। श्री साव ने सभी आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शिविरों में सकारात्मक परिणाम के लिए बधाई दी। उन्होंने ज्यादा संख्या में मौके पर ही लोगों की समस्याएं निराकृत करने वाले नगरीय निकायों की पीठ थपथपाई और हौसला अफज़ाई की। उन्होंने बांकी बचे दिनों में भी जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के प्रभावी आयोजन के निर्देश दिए। शिविरों में आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए राशि जारी करने की बात भी कही।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शिविरों के अनुभव के आधार पर कार्ययोजना बनाने को कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि और प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभ देने शिविरों में स्टॉल लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के अंतर्गत वार्डों में आयोजित हो रहे शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा, जिससे कि लोगों को अपने वार्ड में आयोजित हो रहे शिविर के बारे में पहले से जानकारी हो और वे अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए शिविर में पहुंच सके।

समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के शुरूआती तीन दिनों में प्रदेश भर में कुल 19 हजार 598 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 17 हजार 310 आवेदन मांगों से और 2288 आवेदन शिकायतों से संबंधित हैं। शिविरों में प्राप्त हुए करीब 40 प्रतिशत यानि 7747 आवेदनों को मौके पर ही निराकृत किया गया है। इस दौरान प्राप्त 1092 आवेदनों के दूसरे विभागों से संबंधित होने के कारण निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. ने बैठक में अधिकारियों से कहा कि जनसमस्या निवारण पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित शिविरों के बहुत अच्छे परिणाम आ रहे हैं। आप सभी अच्छा आयोजन कर रहे हैं। इसी तरह 15 दिनों तक काम करना है। उन्होंने हितग्राहीमूलक कार्यों को मौके पर करने के साथ ही सामुदायिक सुविधाओं जैसे पानी, नाली, बिजली की समस्या इत्यादि का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पट्टा, सड़क, नाली, बिजली जैसी मांग आने पर इन्हें किसी भी मद से करने का प्रस्ताव भेज सकते हैं। सीएसआर और डीएमएफमद से भी कार्य करा सकते हैं। उन्होंने शिविरों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री साव के साथ मंत्रालय में समीक्षा बैठक में राज्य शहरी विकास अभिकरण (सुडा) के सीईओ शशांक पाण्डेय, नगरीय प्रशासन विभाग के अपर संचालक पुलक भट्टाचार्य और संयुक्त संचालक एस.के. सुंदरानी भी मौजूद थे। वहीं सभी नगर निगमों के आयुक्त, नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा नगरीय प्रशासन विभाग के पांचों क्षेत्रीय कार्यालयों के संभागीय संयुक्त संचालक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक में जुड़े।

सार-समाचार

समय पर नहीं पंहुचे शिक्षक

जीत तिवारी/महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्कूलों की व्यवस्था को लेकर एक बार फिर से विभाग सुर्खियों में है ,,, दरअसल कई स्कूलों में शिक्षक समय पर नहीं पहुंच रहे हैं ,,, नया मामला सरायपाली ब्लॉक में सामने आया है जहां सोमवार को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भोथलडीह में पदस्थ 10 शिक्षकों में से मात्र एक शिक्षक ही साढ़े 10 बजे तक स्कूल पहुंचे थे,,,, जबकि तीन शिक्षकों के अवकाश पर होने की जानकारी दी गई और अन्य शिक्षकों का कहीं कोई अता पता नहीं था,,,, बताया गया की शिक्षकों के अनुपस्थिति की जानकारी दूरभाष पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद्र मांझी को दी गई,,, उन्होंने नोटिस जारी कर कार्यवाही करने की बात कही,,, स्कूलों में शिक्षको की मनमानी उपस्थिति से जहां शिक्षा व्यवस्था पर असर देखा जा रहा है वहीं दूसरी ओर मॉनिटरिंग पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं,,,

बारिश से सेमरिया ब मटिया मार्ग हुआ ध्वस्त, विधायक इंद्र साव ने मरम्मत के दिए निर्देश

सिमगा चंद्रप्रकाश टोंडे : :शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार चार दिवस तक हुई झमाझम बारिश के बाद अनेक गांव को जोड़ने वाली प्रमुख सड़के जहां ध्वस्त हो गई वही कई सड़को पर बड़े बड़े गड्ढे निकल आए,जिसकी शिकायत ग्रामीणों के द्वारा मिलने पर विधायक इंद्र साव ने तत्काल अधिकारियों को सड़को को ठीक और दूरस्त करने का निर्देश दिया है। शहर और ग्रामीण अंचलों में पिछले सप्ताह लगातार हुई अनवरत मूसलाधार बारिश ने पूरा जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया ,जिसके चलते अनेक घरों में बारिश का पानी भरने की शिकायत भी खूब मिली।वही बारिश का पानी सड़को पर बहने,भरे रहने के कारण पानी ने सड़को के निर्माण की गुणवत्ता को उजागर कर दिया।बारिश थमने के बाद अनेक गांव की सड़को की हालत इतनी ज्यादा खराब हो गई है कि अगर कोई कोई गंभीर मामला सामने आ जाए तो उस गांव तक चार पहिया वाहनों को पहुंच पाना बड़ा कठिनाई जनक होगा। ग्राम सेमरिया ब से मटिया जाने वाले मार्ग की जर्जर हालत की शिकायत क्षेत्र के ग्रामीणों के द्वारा विधायक इंद्र साव के पास पहुंचते ही विधायक इंद्र साव ने मामले की नजाकत और भविष्य में गांव में आवा जाही को ध्यान में रखते हुए उक्त गांव की सड़क को तत्काल मरम्मत करने का निर्देश अधिकारियों को दिया।विधायक इंद्र साव ने कहा कि अतिवृष्टि के कारण अनेक गांव की सड़को की बहुत दयनीय हालत है जिसका शीघ्र मर्रम्मत किया जाना निहायत जरूरी है।

बिलासपुर की बेटी ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी पर लहराया तिरंगा

कलेक्टर से की मुलाकात, सहयोग के लिए दिया धन्यवाद

बिलासपुर :- 30 जुलाई 2024 को यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊँची चोटी पर बिलासपुर की बेटी सुश्री निशा यादव ने तिरंगा लहराया। वापस आकर आज कलेक्टर श्री अवनीश शरण से उनके कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। कलेक्टर ने यूरोप महाद्वीप की सबसे ऊँची चोटी माउन्ट एलब्रुस 5 हजार 642 मीटर फ्तह करने पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनका हौसला बढ़ाया। सुश्री निशा ने कलेक्टर के प्रति आभार जताते हुए कहा कि आप के सहयोग से ही यह संभव हो पाया।

सुश्री निशा यादव ने बताया कि 13 जुलाई को वे रात में अपने इस मिशन के लिए आगे बढ़ी और सुबह 9 बजे माउन्ट एलब्रुस पर फ्तह पाई। लगातार 2 साल की कड़ी मेहनत के बाद यह सफ्लता हासिल हुई है। उन्होंने बताया कि कलेक्टर अवनीश शरण की संवेदनशील पहल के चलते ही उनका यह सपना पूरा हो पाया। उन्होंने कलेक्टर से मिलकर मदद की गुहार लगाई थी। कलेक्टर ने उनकी बात गंभीरता से सुनी और उन्हें सीएसआर मद से आर्थिक मदद दिलवाई और अपनी शुभकामनाओं के साथ उनका हौसला बढ़ाया। वे कहती है कि इस मदद के चलते ही इस पर्वत विजय का संकल्प पूरा हो सका। यह मेरे लिए गौरवशाली उपलब्धि है इसके लिए मै कलेक्टर महोदय की सदैव आभारी रहूंगी। सुश्री निशा यादव ऑटो रिक्शा चालक श्याम कार्तिक यादव की सुपुत्री हैं। इसके पहले उन्होंने उत्तराखंड में नैनीताल की सबसे ऊँची चोटी नैनापिक 8 हजार 522 फीट, उत्तराखंड में केदारकंठ 12 हजार 500 फीट, अरूणाचल प्रदेश में गोरीचेन ग्लेशियर 22 हजार 500 फीट, छत्तीसगढ़ के सबसे ऊँचे पर्वत गौरालाटा 900 मीटर पर भी फ्तह हासिल की है।

एक युद्ध नशे के विरूद्ध एवं कठिन परिस्थितियों में निवासरत बच्चों के सर्वेक्षण के लिये चलाया जा रहा विशेष अभियान

जांजगीर-चांपा/ छ.ग. शासन महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार कलेक्टर श्री आकाश छिकारा एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती अनिता अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला जांजगीर चांपा में 15 जुलाई से 14 अगस्त 2024 तक सड़क एवं सड़क जैसी परिस्थितियों में रहने वाल एवं नशे में लिप्त रहने वाले बच्चों के सर्वेक्षण, रेस्क्यू एवं पुनर्वास की कार्यवाही के लिए 卐एक युध्द नशे के विरूध्द 卐 अभियान संचालित किया जा रहा है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि जिले में लगातार सड़क किनारे रहने वाले व कठिन परिस्थितियों में अपना जीवन यापन करने वाले बच्चों का रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग, चाईल्ड हेल्प लाईन, श्रम विभाग, पुलिस विभाग एवं आबकारी विभाग के समन्वय से रेस्क्यू अभियान चलाया गया। जिले में शिवरीनारायण धार्मिक स्थल, बस स्टैंड, पामगढ़, शांतिनगर जांजगीर, नैला रेल्वे स्टेशन, चांपा रेल्वे स्टेशन एवं बस स्टैंड, बाराद्वार रेल्वे स्टेशन, सारागांव रेल्वे स्टेशन, सक्ती बस स्टैंड एवं रेल्वे स्टेशन में अभियान चलाया गया, जिसमें 03 बच्चे प्राप्त हुए। जिनके शिक्षा एवं पुनर्वास की कार्यवाही की जा रही है। जनप्रतिनिधि, आमजन से अपील की जाती है कि इस प्रकार के बच्चे मिलने, दिखने या जानकारी होने पर कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई महिला एवं बाल विकास विभाग, चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 पर सूचित किया जा सकता है।

एसडीएम एवं तहसील कार्यालयों का होगा सघन निरीक्षण

कलेक्टर ने एक महीने में जांच कर रिपोर्ट देने दिए निर्देश

दो अपर कलेक्टरों को जांच करने की जिम्मेदारी सौंपी

भारत भास्कर/ बिलासपुर :- 30 जुलाई 2024 को कलेक्टर अवनीश शरण ने जिले की सभी एसडीएम,तहसील एवं उप तहसील कार्यालयों का निरीक्षण करने के लिए अतिरिक्त कलेक्टर आरए कुरूवंशी एवं शिवकुमार बनर्जी को आदेशित किया है। दोनों वरिष्ठ अधिकारी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार एक महीने में निरीक्षण कर कलेक्टर को प्रतिवेदन सौंपेंगे। निरीक्षण के लिए तिथि एवं बिन्दु भी निर्धारित किये गये हैं। जिला कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अतिरिक्त कलेक्टर आरए कुरूवंशी 6 अगस्त को एसडीएम एवं तहसील कार्यालय बिलासपुर का निरीक्षण करेंगे। इसी प्रकार 14 अगस्त को तहसील कार्यालय बेलतरा एवं रतनपुर, 20 अगस्त को एसडीएम कार्यालय बिल्हा एवं तहसील कार्यालय बिल्हा एवं बोदरी, 23 अगस्त को एसडीएम एवं तहसील कार्यालय कोटा तथा 28 अगस्त को तहसील कार्यालय बेलगहना का निरीक्षण करेंगे। अपर कलेक्टर शिवकुमार बनर्जी 8 अगस्त को एसडीएम एवं तहसील कार्यालय तखतपुर, 13 अगस्त को तहसील कार्यालय सकरी एवं उप तहसील गनियारी, 16 अगस्त को एसडीएम एवं तहसील कार्यालय मस्तुरी, 22 अगस्त को तहसील कार्यालय सीपत एवं 29 अगस्त को तहसील कार्यालय पचपेड़ी का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के लिए निर्धारित बिन्दुओं में कोर्ट वार दर्ज, निराकृत एवं लंबित मामलों की स्थिति, न्यायालय वार पंजियों का संधारण, अर्थदण्ड वसूली की स्थिति, कर्मचारियों की पदस्थापना की स्थिति, कानूनगो, नायब नाजिर एवं वासिल बाकी नवीस द्वारा संधारित पंजियों की स्थिति, भवन एवं बैठक व्यवस्था की स्थिति, आमजन एवं पक्षकारों के लिए बैठक व्यवस्था की स्थिति, प्रकरणों के ऑनलाईन पंजीकरण की स्थिति, सेवा पुस्तिका अपडेट, निर्वाचन एवं जनगणना संबंधी कार्यों की स्थिति, नक्शा, खसरा एवं बी वन अपडेशन की स्थिति, लंबित न्यायालयीन मामलों, आयोगों एवं टीएल पत्रों की स्थिति सहित अन्य विषयों पर निरीक्षण करके रिपोर्ट सौंपेंगे।

न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जांजगीर श्रीमती सीमा कंवर द्वारा उपेक्षा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए 03 वर्षीय बच्चे की मृत्यु कारीत करने के आरोपी को सुनाई गई सजा

जांजगीर-चांपा। घटना 03/09/2020 की है उक्त तिथि को तिलक राम कहरा अपने निर्माणाधीन मकान के लिए गिट्टी मंगवाया था जिसे आरोपी दिलीप करियारे अपने ट्रैक्टर ट्राली में लाया और स्कूल के पास गिट्टी खाली करने के दौरान अपने वाहन को लापरवाही पूर्वक आगे पीछे करने लगा जिससे ट्रैक्टर की ट्राली दीवार से टकरा गई और दीवाल गिर गई जिसमें दीवार के दूसरी ओर खेल रहा 03 वर्षीय बालक सन्नी उर्फ बृजेश पिता नरेंद्र भार्गव निवासी धुरकोट दब कर मृत हो गया ।

मर्ग कायमी बाद आरोपी ट्रैक्टर चालक द्वारा वाहन लापरवाहीपूर्वक आगे पीछे करने से दीवाल टूट कर उसमें बृजेश के दब जाना पाए जाने का साक्ष्य मिलने पर आरोपी के विरूद्ध धारा 304 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना बाद अभियोग पत्र माननीय न्यायालय के समझ पेश किया गया।

न्यायालय में गवाहों के परीक्षण - प्रति परीक्षण बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय जांजगीर श्रीमती सीमा कंवर द्वारा घटना आरोपी दिलीप कारियारे द्वारा उपेक्षा लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने से घटित करने का दोषी पाए जाने से आरोपी को धारा 304 भादवि में 06 माह कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई,अर्थदंड की राशि अदा न करने पर पृथक से कारावास का आदेश दिया।

मामले में शासन की ओर से एस.अग्रवाल सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी जांजगीर द्वारा पैरवी की।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं

आवेदनों का परीक्षण कर समय सीमा में निराकृत करने हेतु किया निर्देशित,कुल 28 आवेदन हुए प्राप्त

चंद्रप्रकाश टोंडे सिमगा : जिला कार्यालय में आयोजित हुए कलेक्टर जनदर्शन में आज कलेक्टर श्री दीपक सोनी ने आम लोगों की समस्याओं, शिकायतों को गंभीरता से सुनकर अधिकारियों को निराकरण करने हेतु निर्देशित किया। जन चौपाल में आज अलग-अलग समस्याओं के निराकरण हेतु कुल 28 आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर ने प्रकरणों के अनुसार संबंधित अधिकारियों को आवेदन प्रेषित करते हुए यथाशीघ्र नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने महत्वपूर्ण प्रकरणों को समय सीमा में दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही संबंधित अधिकारी को प्रेषित किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत सुश्री दिव्या अग्रवाल,अपर कलेक्टर सुश्री दीप्ती गौते,प्रशिक्षु आईएफएस अक्षय दिनकर भोसले,सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार,जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी गण उपस्थित रहे। जनदर्शन में ग्राम सूरजपुरा के ग्रामीण द्वारा रकबा नंबर 460 घास भूमि को खेल मैदान हेतु आरक्षित करने के संबध में आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर कलेक्टर तहसीलदार भाटापारा को निर्देशित करते हुए समय सीमा में प्रकरण को निराकरण करने कहा है। इसी तरह पंचायत संडी के ग्रामीणों द्वारा ग्राम पंचायत देवतराई से पृथक कर नवीन पंचायत गठन हेतु आवेदन किया जिस पर कलेक्टर ने उप संचालक पंचायत को निरीक्षण कर जांच कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने कहा गया है। इसके अलावा जनदर्शन में स्वास्थ्य उपचार,नए राशन कार्ड निर्माण,रोजगार की मांग,सड़क नाली निर्माण,अतिक्रमण हटाने, मुआवजा दिलवाने, सीमांकन कराने जैसे अन्य आवेदन प्राप्त हुए। कलेक्टर दीपक सोनी ने सभी आवेदनों को संबंधित अधिकारियों को प्रेषित कर आवेदनों का परीक्षण कर शासन के नियमानुसार समय सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नशे के विरूद्ध अभियानपूर्वक कार्यवाही करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

अशोक लुनावत/ कांकेर, लोकप्रिय कलेक्टर नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने आज बैठक लेकर जिले में नशे के विरूद्ध अभियानपूर्वक कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कम उम्र के किशोरों में भी नशे की लत होती जा रही है, जिस पर अंकुश लगाना बेहद आवश्यक है। कलेक्टर ने बिना चिकित्सकीय सलाह के नशे की दवा अवैध रूप से बेचने वाले मेडिकल स्टोर्स के संचालकों के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के उप संचालक और निरीक्षक को जिले में स्थित सभी 330 मेडिकल स्टोर्स में सतत् दबिश देकर इसकी जांच करने तथा बिना चिकित्सक पर्ची के नशे के तौर पर उपयोग की जाने वाली दवाएं विक्रय करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए उनका नियमानुसार अनुज्ञा पत्र (लाइसेंस) निरस्त करने हेतु निर्देशित किया।

बैठक में उप संचालक समाज कल्याण ने बताया कि केन्द्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के

निर्देशानुसार नशा मुक्ति अभियान जिले में चलाया जा रहा है, जिसके तहत् समाज कल्याण विभाग के अधीन भारत माता वाहिनी का गठन किया गया है। उक्त वाहिनी द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, आश्रम-छात्रावासों सहित विभिन्न संस्थानों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। नशा मुक्त भारत अभियान के उद्देश्य की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि अब एक हजार से अधिक जनसंख्या वाली ग्राम पंचायतों में भारत माता वाहिनी का गठन किया जाना है, जिसके तहत् विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएगी। इसके लिए कल्याणी नामक गैर शासकीय संगठन द्वारा नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर ने बताया कि जिले में कम उम्र के किशोरों में नशे का व्यसन बढ़ता जा रहा है, चूंकि ये अवयस्क होते हैं, ऐसे में उनके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही नहीं की जा सकती। उन्होंने ऐसे किशोरों एवं उनके माता-पिता की काउंसिलिंग कराए जाने पर जोर दिया। इस पर कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ मनोरोग चिकित्सक सहित विशेषज्ञों की टीम गठित कर काउंसिलिंग कराने के निर्देश दिए। बैठक में डीएफओ श्री हेमचंद पहारे एवं श्री डी.पी. साहू, अपर कलेक्टर श्री एस.अहिरवार, श्री जितेन्द्र कुर्रे, जिला पंचायत सीईओ श्री सुमित अग्रवाल सहित सभी अनुभाग के राजस्व अनुविभागीय अधिकारी और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। कबीरनगर और सिविल लाइन थाना क्षेत्र से अज्ञात चोरों ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार न्यू चंगोराभाठा निवासी जुगल किशोर 46 वर्ष ने कबीरनगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 एलएफ 6334 को वीर सावरकर नगर हीरापुर में खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 10 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं सिविल लाइन थाना में प्रार्थी अजीत खेतपाल 45 वर्ष निवासी बैरनबाजार ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 एमबी 6734 को घर के बाहर खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 27 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 17 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सरेआम शराब पीते 17 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार उरला पुलिस ने मजदूर नगर सरोरा में सरेआम शराब पीते आरोपी मनोज वर्मा 23 वर्ष व अजय विश्वकर्मा 22 वर्ष व शंकर साहू 23 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं खमतराई पुलिस ने आरोपी चरणदास मानिकपुरी 39 वर्ष व मिश्री यादव 45 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह नेवरा पुलिस ने आरोपी लेखूराम यादव 40 वर्ष, बलराम पाल 40 वर्ष व रविशंकर निषाद 36 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं आरंग पुलिस ने आरोपी कमल पटेल 32 वर्ष, धनराज जलक्षत्रि 19 वर्ष, बाबूलाल साहू 55 वर्ष, मोहित कन्नौजे 32 वर्ष व पवन निषाद 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं खरोरा पुलिस ने आरोपी दीपक भारती 26 वर्ष व चैतराम यदू 45 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं धरसींवा पुलिस ने आरोपी मनोज कुमार निषाद 40 वर्ष व मंदिरहसौद पुलिस ने आरोपी बादल रात्रे 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

चाकू लहराते युवक गिरफ्तार

रायपुर। मोवा पुलिस ने चाकू लहराते एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि वृंदावन गार्डन के पास एक युवक चाकू लेकर आम लोगों को डरा धमका रहा है। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने आरोपी देवेन्द्र कुमार बंजारा 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू जब्त किया है। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

छात्र ने फांसी लगाकर दी जान

रायपुर। भिलाई के जुनवानी स्थित पचरी पारा में नाबालिक युवक ने फांसी के फंदे में लटककर आत्महत्या कर ली। इस घटना से घर में मातम पसर गया है। बता दें कि 16 वर्षीय चुम्मन लाल साहू माइल स्टोन स्कूल के कक्षा 11 वीं का छात्र था। आज उसके परिजन पैरेंट्स मीटिंग अटेंड कर आए थे। 16 वर्षीय बालक के इस कदम से सभी हैरान है। बायोलॉजी विषय से 11 वीं की पढ़ाई कर रहा चुम्मन पढ़ाई में होनहार था।

राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन को दी गई भावभीनी विदाई

आम लोगों के अधिकार की रक्षा के लिए वे हमेशा संघर्ष करते रहे

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन को आज यहां राजभवन परिवार द्वारा भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने राजभवन परिवार के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए अपने कार्यकाल के विभिन्न पलों को याद किया और राजभवन परिवार के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार, विधिक सलाहकार श्री भीष्म प्रसाद पाण्डेय सहित राजभवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर राज्यपाल को राजभवन परिवार की ओर से शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ के विभिन्न इलाकों का दौरा किया और यहां लोगों की मेहनत, समर्पण और साहस को नजदीक से देखा। यहां की भूमि न केवल प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है बल्कि छत्तीसगढ़ के लोग भी अत्यंत सरल, सहज होते हैं। सभी लोगों ने जो स्नेह और सम्मान दिया है उसे भूलना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण योजनाओं एवं नीतियों को लागू किया गया। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी गुणवत्तायुक्त, अध्ययन - अध्यापन हो जिससे विद्यार्थियों का भविष्य बेहतर हो सके यह उनकी कोशिश रही। विश्वविद्यालयों में समय पर दीक्षांत समारोह करने के निर्देश दिये। कुलाधिपति के रूप में उन्होंने सदैव विद्यार्थियों को राष्ट्र की सेवा करने एवं गरीब, शोषित व वंचित वर्ग के लिए कार्य करने हेतु प्रेरित किया। सबका अधिकार उनको मिलना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि आम लोगों के अधिकार की रक्षा के लिए वे हमेशा संघर्ष करते रहे है। जहां भी अन्याय देखा उसके विरूद्ध खड़े हो गये। समाज में व्याप्त अन्याय, शोषण को दूर करना आप सभी का भी कर्त्तव्य है। राज्यपाल ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण आज विश्व की बड़ी समस्या है। इसके लिए हम सभी को जागरूक होना पड़ेगा। पर्यावरण को साफ रखने के लिए सभी को पेड़ लगाना चाहिए। यदि आप ऐसा करते है तो यह पर्यावरण एवं मानवता की बड़ी सेवा होगी। श्री हरिचंदन ने कहा कि वे छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के रूप में संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे। राजभवन के दरवाजे सदैव सभी के लिए खुले रहे। उन्होंने यह हमेशा प्रयास किया कि राजभवन सरकार और जनता के बीच एक मजबूत पूल बन सकें। सबकी सहभागिता और समर्थन से यह संभव हो पाया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव श्री यशवंत कुमार ने कहा कि श्री हरिचंदन ने अपने ज्ञान व अनुभव से हमारा सतत् मार्गदर्शन किया। उनकी संवेदनशीलता उनके कार्यो से परिलक्षित होती थी। अपनी समस्या लेकर आने वाले लोगों से आत्मीयता से मिलते और समस्या के त्वरित निराकरण के लिए निर्देश देते थे। समस्या के समाधान में कोई दिक्कत आने पर उसका भी निराकरण करते थे। उनकी सक्रियता से हमे भी प्रेरणा मिलती थी। उनके सुदीर्घ और स्वस्थ जीवन के लिए श्री यशवंत कुमार ने शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उपसचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम ने आभार प्रदर्शन किया। समारोह में राज्यपाल के परिसहाय द्वय श्री सुनील शर्मा, श्री निशांत कुमार एवं राजभवन के सभी अधिकारी-कर्मचारियों उपस्थित थे।

दुष्कर्म के बाद करा दिया गर्भपात,मां-बेटा गिरफ्तार

रायपुर। जिले के तुमला थाना पुलिस के टीम ने दुष्कर्म के बाद गर्भपात करने के मामले में मां और बेटा दोनों को गिरफ्तार किया है। बता दें कि 18 वर्षीय लड़की ने परिजनों के साथ थाना में शिकायत किया कि आरोपी सुमित डनसेना द्वारा शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म किया, उसके बाद अनेकों बार दुष्कर्म किया गया है। प्रार्थिया उस दौरान नाबालिग थी। सुमित डनसेना के दुष्कर्म करने से प्रार्थिया गर्भवती हो गई इस बात को प्रार्थिया ने सुमित डनसेना को बताई फिर सुमित डनसेना ने गर्भवती होने की बात को अपनी मां को बताया। सुमित डनसेना ने प्रार्थिया के घर में जाकर बोला कि माँ बुलाई है, कहकर अपने घर में ले गया, जहाँ पर उसकी माँ सुमित को गर्भपात का दवाई लाने के लिये भेजी, सुमित द्वारा दवाई लेकर घर आने पर उसकी माँ जबरदस्ती प्रार्थिया को गर्भपात की गोली खिला दी, इससे प्रार्थिया का गर्भ उतर गया, अब सुमित डनसेना प्रार्थिया से शादी करने से इंकार कर रहा है। प्रार्थिया की उक्त रिपोर्ट पर थाना तुमला में उक्त अपराध धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। प्रकरण का आरोपी फरार था, जिसकी लगातार पतासाजी की जा रही थी। विवेचना के दौरान मुखबीर से पुलिस को जानकारी मिला कि सुमित डनसेना अपने बड़े भाई के ससुराल ग्राम टांगरजोर जिला सुन्दरगढ़ (ओड़िसा) में छिपा हुआ हुआ है, इस सूचना पर थाना प्रभारी तुमला निरीक्षक कोमल नेताम के नेतृत्व में तत्काल पुलिस टीम गठित कर मौके पर जाकर दबिश देकर घेराबंदी कर सुमित डनसेना को अभिरक्षा में लेकर थाना लाया गया ।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने जनदर्शन में सुनी आम नागरिकों की समस्याएं

■ संबंधित विभागों को आवेदनों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

रायपुर/ संवाददाता

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर ने आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण करने के निर्देश भी दिए। सोमवार को जनदर्शन में अनेक आवेदन प्राप्त किए गए।इस दौरान बोरिया निवासी श्री तोरन यादव ने दिव्यांगता के आधार पर बैटरी रहित ट्राय सायकल प्राप्त करने, ग्राम धनेली निवास श्री नरेश श्रीवास ने ग्राम धनेली में व्यवस्थापन के तहत भूमि की मांग, माना कैम्प निवासी श्री भागवत प्रसाद कोसले ने पेंशन बहाल करने, जनता कॉलोनी निवासी श्री श्रेयांश ठाकरे ने अवैध कब्जा हटाने, ग्राम टेकारी श्री नेतराम सिंह ठाकुर ने नक्शा बटांकन, कोरसी तहसील आरंग निवासी श्री रामकुमार साहू से बेजा कब्जा हटाने जैसे अन्य आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे। जिले में असहाय बच्चों को नशे के सेवन से बचाने के लिए एक युद्ध नशे के विरूद्ध अभियान चलाया जाएगा। साथ ही बालकों के नशे का सेवन करने वाले हॉट स्पॉट की पहचान की जाएगी। इसी परिपेक्ष्य में आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्टोरेट परिसर के रेडक्रॉस सभाकक्ष में महिला बाल विकास विभाग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों की बैठक ली। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि बच्चों को नशे से सेवन से बचाने के लिए कारगर कदम गंभीरता के साथ उठाया जाए।

दोगुना उत्पादन और लागत में कमी के चलते किसान अपना रहे हैं श्री पद्धति

■ दंतेवाड़ा में किसानों ने श्री पद्धति से की 540 हेक्टेयर में धान की बोनी

रायपुर/ संवाददाता

राज्य के सुदूर दंतेवाड़ा जिले में भी किसान श्री पद्धति को अपनाने लगे हैं। परंपरागत रूप से धान की बोनी के मुकाबले दोगुने उत्पादन और लागत में कमी इस पद्धति की खासियत है। चालू खरीफ मौसम में जिला प्रशासन और कृषि विभाग के संयुक्त प्रयास से 540 हेक्टेयर में धान की बोनी की गई है। जिले के अन्य किसानों को भी इस पद्धति को अपनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ''श्री पद्धति'' से बोआई करने पर न केवल पानी की कम आवश्यकता पड़ती है साथ ही इस पद्धति से खेती करने में फसल में रोग भी लगने की संभावना भी कम रहती है। इसके अलावा ''श्री पद्धति'' के बोनी में उर्वरक और रासायनिक दवाओं, कीटनाशक का प्रयोग नहीं किया जाता है। इसकी जगह ''ग्रीन मन्योर'' (हरी खाद) का उपयोग किया गया है। ''श्री पद्धति'' से खेती करने पर लगभग दो से ढाई गुना अधिक उत्पादन होगा। इसके लिए किसानों को लगातार प्रेरित किया जा रहा है। इस पद्धति से खेती के लिए जिले के विकासखंड गीदम, और दंतेवाड़ा क्षेत्र के किसानों द्वारा अधिक रूचि दिखाई जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि ''श्री पद्धति'' बोआई के अन्य लाभ में कम बीज से अधिक उत्पादन भी शामिल है। इसके अलावा धान की खेती करने में लागत भी कम आती है। परंपरागत खेती में एक हेक्टेयर में जहां 50 से 60 किलो बीज की जरूरत पड़ती है, वहीं ''श्री पद्धति'' से धान की खेती में बीज जरूरत महज 5 से 6 किलो की ही होती है। ऐसे में किसानों को कम बीज में अधिक उत्पादन मिलेगा। जिला प्रशासन की पहल पर जिले में 600 हेक्टयर में श्री पद्धति से धान की बोनी का लक्ष्य रखा गया है इसके साथ ही 1200 हेक्टेयर रकबे में ग्रीन मैन्योर (हरी खाद) तैयार कर उत्पादकता को बढ़ाने दिशा में कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में बारिश की स्थिति जिले में अच्छी होने के चलते किसानों को ''श्री पद्धति'' से खेती के लिए अनुकूल अवसर मिला है। इस संबंध में कृषि विभाग द्वारा किसानों को खेती की तैयारी से लेकर पौधों की रोपाई की पूरी जानकारी दी जा रही है। साथ ही खरपतवार नियंत्रण के बारे में भी बताया जा रहा है।

भाजपा राज में जर्जर स्कूलों में भविष्य गढ़ने विवश हो रहे नौनिहाल-विनोद...

■ साय सरकार की कमीशनखोरी के चलते स्कूलों का निर्माण व मरम्मत अटका : विनोद चंद्राकर

रायपुर। पूर्व संसदीय सचिव व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने शासन द्वारा पूरे प्रदेश सहित जिले में मनाए जा रहे शिक्षा सप्ताह को केवल ढकोसला तथा झूठी वाहवाही बटोरने शिक्षा विभाग का असफल प्रयास बताया है। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को भाजपा सरकार ने हाशिए पर रख दिया है। महासमुंद जिले में ही अनेक जर्जर स्कूलों में नौनिहाल अपना भविष्य गढ़ रहे हैं। इसका स्पष्ट उदाहरण जिले के गड़बेड़ा तथा सरायपाली क्षेत्र के सिंघोड़ा संकुल के सागरपाली स्कूल है। जहां खतरों के बीच में नौनिहाल टपकते छत से बचने छाता लेकर कक्षा पहुंच रहे हैं। गिले फर्श पर बैठकर उन्हें पढ़ाई करने विवश होना पड़ रहा है। इसके अलावा जिले के सैकड़ों प्राथमिक, मिडिल, हाई तथा हायर सेकेंडरी स्कूलों में शिक्षकों का अभाव है। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने से पालक आए दिन स्कूलों में तालाबंदी करते नजर आ रहे हैं। लेकिन, भावी पीढ़ी के भविष्य को लेकर प्रदेश के विष्णुदेव सरकार तनिक भी चिंतित नहीं है।श्री चंद्राकर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की गुटबाजी और मंत्रियों के कमीशनखोरी के लालच के चलते स्कूल शिक्षा विभाग को भगवान भरोसे छोड़ दिया गया है। स्कूलों में मानसून के पहले नियमित तौर पर जो निर्माण और मरम्मत के कार्य होते थे, इस साल वह भी नहीं हो पाया है। सामान्य तौर पर स्कूल की बिल्डिंग के निर्माण और रखरखाव का काम सरकारी एजेंसी आरईएस, पीडब्ल्यूडी, नगरीय निकाय और पंचायत विभाग के माध्यम से किया जाता है।

छत्तीसगढ़ में 541.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई....

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 541.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 28 जुलाई सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1304.5 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 201.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 324.2 मिमी, बलरामपुर में 460.7 मिमी, जशपुर में 347.9 मिमी, कोरिया में 343.6 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 370.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। इसी प्रकार, रायपुर जिले में 468.1 मिमी, बलौदाबाजार में 622.9 मिमी, गरियाबंद में 596.1 मिमी, महासमुंद में 429.5 मिमी, धमतरी में 620.3 मिमी, बिलासपुर में 532.2 मिमी, मुंगेली में 557.0 मिमी, रायगढ़ में 413.9 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 252.2 मिमी, जांजगीर-चांपा में 494.9 मिमी, सक्ती में 377.4 कोरबा में 614.1 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 488.7 मिमी, दुर्ग में 339.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 441.9 मिमी, राजनांदगांव में 601.4 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़चौकी में 717.5 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 412.8 मिमी।

मोर संगवारी' एप को किया लांच

नागरिक घर बैठे ले सकेंगे 27 सेवाओं का लाभ-उपमुख्यमंत्री अरुण

■ उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने चार नवगठित नगर पालिकाओं में 'मोर संगवारी' योजना का किया विस्तार

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज लोरमी में प्रदेश की चार नवगठित नगर पालिकाओं मंदिर हसौद, बांकी मोंगरा, लोरमी और पंडरिया में ''मोर संगवारी'' योजना का विस्तार किया। उन्होंने लोरमी के मानस मंच में आयोजित कार्यक्रम में 'मोर संगवारी' एप भी लांच किया। इस योजना के माध्यम से नागरिकों को जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन, दुकान एवं स्थापना पंजीयन, राशन कार्ड, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र सहित 27 प्रकार की सुविधाएं घर पहुंचकर प्रदान की जाएंगी। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने लॉन्चिंग कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शासकीय कार्यालयों से नागरिक सेवाएं घरों तक पहुंचाने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप चरणबद्ध रूप से मोर संगवारी योजना का विस्तार किया जा रहा है। इसमें 27 तरह की सेवाएं नागरिकों को बिना किसी व्यवधान और कार्यालय जाए बिना उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि जब से प्रदेश में श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार बनी है, तब से कामकाज में तेजी आई है। सभी वर्गों के विकास के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। हमारा संकल्प है, जिस छत्तीसगढ़ को हमने बनाया है, उसे संवारने का काम भी हम करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि प्रदेश के नगरीय निकायों में झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगो को नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के लिए 150 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत आवासहीन परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रभावी निपटान के लिए निकायों द्वारा समग्र प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को सामग्री, चेक और

प्रमाण पत्र भी वितरित किए। सुडा (राज्य शहरी विकास अभिकरण) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय ने कार्यक्रम में बताया कि सरकारी दस्तावेज बनवाने की यह घर पहुंच सेवा वर्तमान में प्रदेश के सभी 14 नगर निगमों, 44 नगर पालिकाओं तथा दो नगर पंचायतों अंबागढ़ चौकी और गौरेला में संचालित की जा रही है। ये सेवाएं सभी कार्य दिवसों में प्रात: आठ बजे से रात्रि आठ बजे तक संचालित की जा रही हैं। मुंगेली के कलेक्टर श्री राहुल देव ने कहा कि मोर संगवारी योजना आम जनता के लिए बहुत खास है। इससे नगर के लोगों को काफी सहुलियत होगी। विभिन्न सेवाओं के लिए नागरिकों को घर पहुंच सेवा का लाभ मिलेगा। लोरमी नगर पालिका की अध्यक्ष श्रीमती अंकिता रवि शुक्ला ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया।'मोर संगवारी' एप के जरिए नगरीय क्षेत्र में रहने वाले लोगों को घर बैठे आय, मूल निवासी, विवाह, जन्म, जाति, राशन कार्ड, गुमास्ता, मृत्यु, आधार कार्ड, असंगठित कर्मकार पंजीकरण एवं सुधार, पैन कार्ड पंजीकरण एवं सुधार आदि सेवाओं का लाभ मिलेगा। योजना के अंतर्गत टोल-फ्री नंबर पर कॉल करने पर संगवारी घर पहुंच कर योजना से जुड़ी सेवाओं एवं सुविधाओं का लाभ देना सुनिश्चित करेंगे। इसके लिए कोई भी नागरिक घर बैठे टोल-फ्री नंबर 14545 में कॉल कर संपर्क कर सकता है। संगवारी नागरिकों के निवास स्थान पर पहुंचकर सेवा का ऑनलाइन पंजीयन कर सेवा से संबंधित दस्तावेज संकलित करेंगे। इस योजना के अंतर्गत अब नागरिकों को दस्तावेजों के लिए शासकीय कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। दस्तावेज, प्रमाण पत्र या लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया आसान होगी। इससे लोगों का समय भी बचेगा। अब पोर्टल के माध्यम से योजना में शामिल सभी सेवाओं से संबंधित जरूरी दस्तावेजों की पूरी जानकारी केवल एक क्लिक पर उपलब्ध होगी। इससे न केवल दस्तावेज, प्रमाण पत्र या लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया आसान होगी, बल्कि इसे बनाने में पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। इस एप के जरिए किसी भी तरह की समस्या होने पर शिकायत भी दर्ज करा सकेंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-संदीप तिवारी द्वारा अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग-मोवा रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित।
(पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9301031000, 0771-6556444 bharatbhaskar222@gmail.com